सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 12, नई दिल्ली । सोमवार, 25 मार्च 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आप सभी सुधि पाठकों को परिवहन विशेष परिवार की ओर होली की हार्दिक शुभकामनाएं

03 केजरीवाल से मिलने ईडी कार्यालय पहुंची सुनीता केजरीवाल

06 एक दूसरे की पसंद को ध्यान में रखते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं

08 भ्रष्टाचार पर केजरीवाल का विरोध या गिरफ्तारी का समर्थन? जानें

होली पर उत्तराखंड से जाने वाली रोडवेज बसों और ट्रेनों में उमड़ी यात्रियों की भीड़, मची मारामारी

बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर, नजीबाबाद, कोटद्वार, देहरादून और मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर रूट पर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक रही।

देहरादून। होली का पर्व घर मनाने के लिए एक दिन पहले काफी संख्या देहरादून और हरिद्वार से लोग ट्रेनों और रोडवेज बसों से रवाना हुए। इससे बसों में यात्रियों की काफी भीड़ रही। सुबह बसों में ज्यादा आपाधारी की स्थिति रही, जबकि दोपहर बाद फिर सामान्य हो गई। उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में जाने वाली बसों के फेरे बढ़ाए गए। इससे यात्रियों को राहत मिली।

रविवार सुबह हरिद्वार रोडवेज बस अड्डे पर बसों से जाने के लिए लोग पहुंचने शुरू हो गए थे। बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर, नजीबाबाद, कोटद्वार, देहरादून और मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर रूट पर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक रही। सिडकुल व अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले लोग बसों से अपने गंतव्यों को रवाना हुए। ऐसे में बसों में भीड़ बढ़ गई। यात्रियों को बसों का इंतजार भी करना पड़ा। नजीबाबाद, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ आदि रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाए गए। जिससे यात्रियों को थोड़ी राहत मिली। वहीं, बस अड्डे के बाहर भीड़ के चलते सुबह जाम लगता रहा। अधिकांश बसों को अंदर बस अड्डे पर पहुंचने में आधा घंटे का समय लगा। इधर, रेलवे स्टेशन पर भी सुबह के समय ही यात्री ट्रेनों से रवाना हो गए। दोपहर में यात्रियों की संख्या काफी कम हो गई। उत्तराखंड परिवहन निगम के सहायक महाप्रबंधक सुरेश सिंह चौहान ने बताया कि होली को लेकर भीड़ बढ़ गई थी, कई रूटों पर बसों के अतिरिक्त फेरे बढ़ाए गए।

सड़क सुरक्षा युक्तियाँ: कुशल संचालन तकनीक के नियम

संजय बाटला

नईदिल्ली। खराब स्टीयरिंग सबसे आम ड्राइविंग त्रुटियों में से एक है जो दुर्घटनाओं का कारण बनती है। कुशल स्टीयरिंग आपकी कार की सड़क योग्यता निर्धारित करती है, इसलिए सुरक्षित स्टीयरिंग सीखना आवश्यक है। कुशल संचालन तकनीकों में शामिल हैं:

बैठने की सही स्थिति : आपको हमेशा सही और आरामदायक स्थिति में बैठना चाहिए। गलत स्थिति में बैठने या असहज महसूस करने से आप अपनी कार पर पूरा नियंत्रण नहीं रख पाएंगे।

सीट समायोजित करें : सुनिश्चित करें कि आप स्टीयरिंग व्हील से अधिक दूर नहीं हैं। बस एक ऐसा बिंदु चुनें जहां तक पहुंचने के लिए आपको अपनी बाहों को अत्यधिक फैलाना न पड़े। यदि आप स्टीयरिंग व्हील नहीं चला सकते तो कार चलाने का कोई मतलब नहीं है।

हाथ की स्थिति : विशेषज्ञों के अनुसार, आपके हाथ की मांसपेशियों में खिंचाव से बचने के लिए 8 बजे की सुइयो और 4 बजे की सुइयों के अनुसार हाथ की सबसे अच्छी स्थिति है। वह किसी दुर्घटना के दौरान हाथ की चोटों को भी रोकते हैं। याद रखें कि स्टीयरिंग तकनीकों के बीच हाथों की स्थिति भिन्न हो सकती है।

दोनों हाथों का प्रयोग करें ड्राइविंग का एक बुनियादी नियम यह है कि अपनी आँखें हमेशा सड़क पर और अपने हाथ पहिया (स्टीयरिंग) पर रखें। इसे ध्यान में रखते हुए, यदि आप अपनी कार चलाने के लिए दोनों हाथ नहीं रखते हैं तो आप सुरक्षित नहीं हैं। आपात्कालीन स्थिति में वाहन को मोड़ने के लिए एक हाथ पर्याप्त नहीं है। अपनी बाहों को आराम दें जब आपके हाथ स्टीयरिंग व्हील पर सख्त हों तो आप किसी दुर्घटना से नहीं बच सकते! स्टीयरिंग व्हील पर मजबूत पकड़ का अभ्यास करें, ताकि जब भी आवश्यक हो आप उन्हें हिला सकें। इसके अलावा, कभी भी अपने हाथों को क्रॉस न करें क्योंकि इससे आपकी गाड़ी चलाने की क्षमता में बाधा आएगी।

अतिसुधार अक्सर लोग लेन बदलते समय स्टीयरिंग व्हील को जबरदस्ती विपरीत दिशा में घुमाते हैं, जो गलत है। इसे कार को ओवरकरेक्ट करना कहा जाता है। यह मामूली लग सकता है, लेकिन यह एक खतरनाक और सामान्य गलती है जिसके कारण आपका वाहन पलट सकता है।

निष्कर्ष शांत रहें और नियम याद रखें. समझें कि स्टीयरिंग व्हील आपके वाहन की वांछित और अवांछित गतिविधियों से कितनी निकटता से जुड़ा हुआ है। स्टीयरिंग तकनीकों के सहयोग से स्टीयरिंग व्हील को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए इन नियमों का पालन करें। सुनिश्चित करें कि आपके स्टीयरिंग व्हील पर आपके हाथ 2 बजे से 10 मिनट या 10 बजे के बाद 10 मिनट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

रंगों के पर्व होली पर आप सभी आदरणीय जनों, महानुभावों, मित्रों, शुभचिंतकों एवम् आपके परिवार जनों को मेरी और मेरे परिवार की तरफ़ से बहुत बहुत शुभकामनाएं, होली के पावन अवसर पर आप सब अपने गिले शिकवे, वेमनस्ता मां होलिका को अर्पित करें और नई उम्मीद, उल्लास, उमंग से सराबोर होकर इस रंगों के पर्व को प्रेम, सदभाव और भाईचारे के साथ मनाएं, साथ ही गुजियो की मिठास का भरपूर आनंद लें,

– संजय बाटला

होली पर कब चलेगी दिल्ली मेट्रो, बस और रैपिड रेल? घर से निकलने से पहले टाइमिंग जान लें

अगर आप होली पर कहीं जाने की सोच रहे हैं तो पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट की टाइमिंग जरूर जान लें। कुछ सेवाएं ऐसी हैं जो दोपहर के बाद ही चलेंगी। जानें होली पर दिल्ली मेट्रो, बस और रैपिड रेल की टाइमिंग क्या हैं?

नई दिल्ली। सोमवार को होली का त्योहार है। इस दिन अगर आप बस या मेट्रो से आने-जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें कि ये सेवाएं दोपहर के बाद ही चलेंगी। हालांकि, आम दिनों के मुकाबले दोपहर के बाद इनकी मात्रा कम रहेगी। इसके साथ-साथ ऑटो और कैब भी कम ही चलेंगी। जानिए होली के दिन कब तक बंद रहेंगी मेट्रो, रेल और बस सेवाएं?

होली पर मेट्रो की टाइमिंग

सभी टर्मिनल स्टेशनों से दोपहर के 2:30 बजे पहली मेट्रो चलेगी। इसके साथ-साथ एयरपोर्ट लाइन की भी यही टाइमिंग रहेगी। दोपहर 2:30 बजे के बाद सारे टर्मिनल स्टेशनों से सभी लाइनों पर मेट्रो रोज की तरह ही मिलेगी। वहीं, अगर बात करें एक्वा लाइन की तो नोएडा की यह लाइन होली के दिन दोपहर के 2 बजे तक बंद रहेगी और बाद में मेट्रो 15-15 मिनट के गैप पर मिलेगी।

नमो भारत की टाइमिंग

साहिबाबाद से मोदीनगर नार्थ के बीच चलने वाली रैपिड रेल 'नमो भारत' होली के दिन यानी सोमवार को सिर्फ चार घंटे ही चलेगी। पहली ट्रेन दोनों दिशाओं से शाम 4 बजे और आखिरी ट्रेन टर्मिनल स्टेशन साहिबाबाद और मोदीनगर नॉर्थ से शाम 8 बजे चलेगी। आपको बता दें कि होली के चलते दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालित सेक्शन में नमो भारत ट्रेन का टाइम भी बदला गया है। वर्त्तमान में ट्रेन 34 किमी के सेक्शन पर चल रही है। इसपर साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुराद नगर, मोदी नगर साउथ और मोदी नगर नॉर्थ स्टेशन आते हैं।

बस की टाइमिंग

होली के दिन दोपहर 2 बजे के बाद DTC और कलस्टर बसें नहीं चलेंगी। इसके साथ-साथ सिर्फ 25 परसेंट बसें ही उतरेंगी। इसके चलते बसें कम रहेंगी। इसलिए बसें शाम के समय भी कम रहेंगी। डीटीसी के मुताबिक, होली के दिन शाम के समय भी यात्रियों की संख्या कम होती है इसलिए सीएनजी और इलेक्ट्रिक डिपो से मात्र 25 फीसदी बसें ही सड़कों पर उतारी जाएंगी। 24 मार्च को रविवार के दिन बसें आम दिनों की तरह ही चलेंगी। अगर आपको बस रूट से जुडी कोई भी जानकारी चाहिए तो डीटीसी कॉल सेंटर के नंबर 011-41400400 या 1800118181 पर कॉल कर सकते हैं।

होली के रंग में न पड़ जाए भंग, दिल्ली पुलिस की पढ़ लें सलाह; हुड़दंगियों पर होगी सख्ती

- दिल्ली में सुरक्षा के किए गए हैं व्यापक बंदोबस्त।
- 113 ड्रंकन ड्राइविंग के प्वाइंट्स पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की होगी जांच।

होली के त्योहार वाहन चालक दिल्ली की सड़कों पर हुड़दंग न कर पाए इसके लिए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए हैं। यातायात पुलिस ने सड़कों पर पैदल चलने वालों व मोटर चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली में शराब पीकर गाड़ी चलाने ओवर-स्पीडिंग लापरवाह ड्राइविंग वाहनों से स्टंट करने को रोकने के लिए पिकेट लगाकर संयुक्त रूप से चेकिंग करेगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। होली के त्योहार वाहन चालक दिल्ली की सड़कों पर हुड़दंग न कर पाए इसके लिए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए हैं। यातायात पुलिस ने सड़कों पर पैदल चलने वालों व मोटर चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली में शराब पीकर गाड़ी चलाने, ओवर-स्पीडिंग, लापरवाह ड्राइविंग, टेढ़ी-मेढ़ी ड्राइविंग, खतरनाक ड्राइविंग, रेड लाइट जंपिंग, ट्रिपल राइडिंग, नाबालिग द्वारा ड्राइविंग, बिना हेलमेट के वाहन चलाने व वाहनों से स्टंट करने को रोकने के लिए स्थानीय थाना पुलिस व पीसीआर के साथ पिकेट लगाकर संयुक्त रूप से चेकिंग करेगी।

विशेष आयुक्त, यातायात पुलिस एचजीएस धालीवाल के मुताबिक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नजर रखने व उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए विशेष टीमें लगाई जाएंगी। यातायात पुलिस के अधिकारी होली वाले दिन राजधानी की सड़कों पर पैनी रखेंगे। सोमवार को सड़कों पर यातायात पुलिस के 1208 अधिकारी व कर्मी दिल्ली के 363 बिंदुओं पर तैनात रहेंगे। 363 प्वाइंट में 113 ड्रंकन ड्राइविंग के प्वाइंट्स होंगे। इन प्वाइंट्स पर करीब 400 कर्मचारी तैनात रहेंगे। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चालान तो किए ही जाएंगे साथ ही उनके वाहन जब्त भी किए जा सकते हैं।

सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की समिति के निर्देशानुसार शराब पीकर गाड़ी चलाने, लाल बत्ती कूदने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने, खतरनाक ड्राइविंग और तेज गति के मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस भी जब्त कर लिया जाएगा और न्यूनतम तीन माह की अवधि के लिए निलंबन का उत्तरदायी होगा। जिन वाहनों को नाबालिग व अनधिकृत व्यक्ति चलाते, स्टंट करते, बिना लाइसेंस के वाहन चलाते हुए पाए जाएंगे उनके पंजीकृत मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस का इन नियमों का पालन करने की सलाह

शराब पीकर वाहन न चलायें।

निर्धारित गति सीमा का पालन करें।

यातायात सिग्नल का पालन करें।

अन्य वाहनों के साथ दौड़ या प्रतियोगिता में शामिल न हों।

दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनें और ट्रिपल राइडिंग से बचें।

लापरवाह, खतरनाक या टेढ़ी-मेढ़ी ड्राइविंग में शामिल न हों।

अवयस्कों व अनधिकृत व्यक्तियों को अपना वाहन चलाने की अनुमति न दें।

दोपहिया वाहनों पर स्टंट करने में लिप्त न हों।

होली घर के अंदर मनाएं, सार्वजनिक स्थानों व सड़कों पर न मनाएं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

1 अप्रैल से पहले कर लें FASTag से जुड़ा काम, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

परिवहन विशेष न्यूज

अभी तक अपनी कार के फास्टैग की बैंक से KYC अपडेट नहीं करवाई है, तो जल्द करवा लें। 31 मार्च के बाद बैंक द्वारा बिना KYC वाले फास्टैग को डीएक्टिवेट या ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। फिर, फास्टैग में बचा बैलेंस होने के बावजूद पेमेंट नहीं हो पाएगा।

नई दिल्ली। रोजाना टोल पार कर एक जगह से दूसरी जगह सफर तय करने वाले लोग ज्यादातर फास्टैग का इस्तेमाल करते हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने फास्टैग केवाईसी यूजर्स के लिए बड़ा अपडेट जारी किया है। अपडेट के अनुसार, अगर आपने अपनी कार की फास्टैग केवाइसी नहीं करवाई है तो जल्द करा लें। 31 मार्च के बाद बिना केवाईसी वाले फास्टैग को बैंक द्वारा डीएक्टिव या ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। इसके बाद फास्टैग में बैलेंस होने पर भी पेमेंट नहीं हो पाएगा। जानें फास्टैग KYC करने के ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रोसेस।

हाल ही में, NHAI द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के नियमों के मुताबिक फास्टैग KYC प्रोसेस पूरा करने को कहा गया है। फास्टैग डीएक्टिव या ब्लैकलिस्ट न हो जाए इसलिए 31 मार्च से पहले अपनी फास्टैग केवाईसी अपडेट जरूर करवा लें। अगर आप फास्टैग केवाईसी करवाना चाहते हैं, तो आपके पास ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ऑप्शन हैं।

फास्टैग केवाईसी करवाने का ऑनलाइन प्रोसेस

सबसे पहले फास्टैग की ऑफिशियल वेबसाइट fastag.ihmcl.com पर जाना होगा।

इसके बाद केवाईसी ऑप्शन पर जाएं।

कस्टमर टाईप पर क्लिक करें।

बाद में, डिक्लेरेशन बॉक्स पर क्लिक करके केवाईसी अपडेट प्रोसेस के लिए आगे बढ़ें।

यहां जरूरी डॉक्युमेंट्स जैसे- आईडी प्रूफ, एड्रेस प्रूफ, पासपोर्ट साइज फोटो और अपना पता भरें।

मांगी गई जानकारी सबमिट करने से पहले सब ध्यान से चेक कर लें।

फास्टैग केवाईसी करवाने का ऑफलाइन प्रोसेस

इसके लिए व्यक्ति को बैंक जाना होगा। इस प्रोसेस में पैन कार्ड, एड्रेस प्रूफ आईडी, पासपोर्ट साइज फोटो की जरूरत होती है।

बैंक से फास्टैग केवाईसी का फार्म लें।

फॉर्म को भरने के बाद जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ सबमिट कर दें।

बैंक द्वारा फॉर्म को वेरीफाई किया जाएगा।

अंत में व्यक्ति को ईमेल और एसएमएस के जरिए नोटिफिकेशन मिल जाएगा।

दिलों से जुड़ी प्रेरक भावनाओं का पर्व है होली

होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। मंदिरों की नगरी वृन्दावन में फाल्गुन शुक्ल एकादशी का विशेष महत्व है।

ललित गर्ग

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति एवं परम्परा हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्मउन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई-चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरे। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, होली फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को मनाई जाती है। यह वसंत ऋतु के आगमन का जश्न है। इस वर्ष होली पर अनेक शुभ योग बनने से होली का महत्व अधिक है। सर्वार्थसिद्धि योग, रवि योग, धनशक्ति योग, बुधादित्य योग मिलाकर बनते हैं पंच महायोग। कुंभ राशि में शनि, मंगल और शुक्र ग्रह होने से बनते हैं त्रिग्रही योग। इस बार होली पर रहने वाली है चंद्र ग्रहण की छाया, जिससे कुछ राशियों को मिलेगा शुभ परिणाम। इस प्रकार समस्त बड़े-छोटे, सूक्ष्म और बृहत्योग 340 वर्षों बाद प्राप्त हो रहे हैं, जो विशेष फलदायी, शुभ एवं नवीन उत्सवमयी होने का सूचक हैं। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है।

होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। मंदिरों की नगरी वृन्दावन में फाल्गुन शुक्ल एकादशी का विशेष महत्व है। इस दिन यहाँ होली के रंग खेलना परम्परागत रूप में प्रारम्भ हो जाता है। मंदिरों में होली की मस्ती और भक्ति दोनों ही अपनी अनुपम छटा बिखेरती है। होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण एवं स्वस्थ जीवन जीये और सभी के लिये शांतिपूर्ण एवं निरोगी जीवन की कामना करें। ऐसा संकल्प और ऐसा जीवन सचमुच होली को सार्थक बना सकते हैं। होली शब्द का अंग्रेजी भाषा में अर्थ होता है पवित्रता। पवित्रता प्रत्येक व्यक्ति को काम्य होती है और इस त्योहार के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान करते हुए आत्मिक खुशी का जरिया भी बनाये।

जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा की। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है। जितने रंग प्रकृति के हैं, उतने ही हमारे हैं और प्रकृति हर पल रंग बदलती है। पुरानी पत्तियां शाख छोड़ती नहीं हैं कि नई खिलनी शुरू हो जाती हैं। पतझड़ और बसंत साथ ही चलते रहते हैं। धरती के भीतर के घुप अंधेरों को चीर कर बाहर निकला बीज,

फूल, शाख, पत्तियां और फल के रंग धर लेता है। उगने, डूबने, खिलने, फैलने, मिलने, सूखने, झड़ने, चढ़ने, उतरने और खत्म होने का हर रंग प्रकृति में है और है होली के मनभावन पर्व में। पर प्रकृति हो या होली इनसे उदासीन हम, कुछ ही रंगों में सिमट जाते हैं। गिले-शिकवों, उदासी, तेरे-मेरे, क्रोध और कुंठा में ही अटक जाते हैं। नतीजा, जिंदगी में तनाव और उदासी घिरने लगती है। होली जैसे त्यौहारों के बावजूद जीवन के सारे रंग फिके पड़ रहे हैं। न कहीं आपसी विश्वास रहा, न किसी का परस्पर प्यार, न सहयोग की उदात्त भावना रही, न संघर्ष में एकता का स्वर उठा। बिखराव की भीड़ में न किसी ने हाथ थामा, न किसी ने आग्रह की पकड़ छोड़ी। यूँ लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। कितनी झूठी है यह प्रतीक्षा, कितनी अर्थ शून्य है यह अगवानी।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से एक सचेतन माहौल बनाएँ। उसमें सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, 'काला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए बिना किसी वास्तविकता को रचा नहीं जा सकता।' जीवन में सुख-दुख दोनों हैं। दोनों एक-दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है।

होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करता है। न्यूरोबायोलिस्ट और रिसर्चर सेमिर जैक कहते हैं, 'मस्तिष्क में प्यार और नफरत को जनरेट करने वाली वायरिंग एक ही होती है।' इस भावना की कुछ अलग तरह से व्याख्या करते हैं लेखक और समाजशास्त्री पेजिल पामरोज, 'प्रेम आत्मा के स्तर पर होता है और नफरत भावना के स्तर पर।' होली प्रेम एवं संवेदनाओं को जीवंतता देने का दुर्लभ अवसर है। यह नफरत को प्यार में बदल देता है। यह पर्व बाहरी दुनिया में मौज-मस्ती का अवसर ही नहीं देता, बल्कि भीतरी दुनिया का साक्षात्कार भी कराता है। महान-दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने प्रेक्षाध्यान के माध्यम से विभिन्न रंगों की साधना कराते हुए आत्मा को उजालने एवं भीतरी दुनिया को उन्नत बनाने की विधि प्रदत्त की है। रोमन सम्राट व चिंतक मार्क्स ऑरेलियस ने कहा भी है, 'मन के विचारों में रंगी होती है आत्मा।' जैन दर्शन भी कहता है कि जैसे विचार होते हैं, वैसे ही कर्म परमाणु आत्मा से चिपक जाते हैं। आत्मा के तमाम रंगों तक पहुंचने की हमारी यात्रा मन से होकर गुजरती है। हमें अपने विचारों को सही रखना होता है। उसमें दूसरों के लिए जगह छोड़नी होती है। नकारात्मक ऊर्जा के नुकसान से बचने के लिए होली के रंगों में सराबोर होना, रंगों का ध्यान करना, अपनी पर्वमय संस्कृति से रू-ब-रू होना फायदेमंद साबित होता है।

- ललित गर्ग

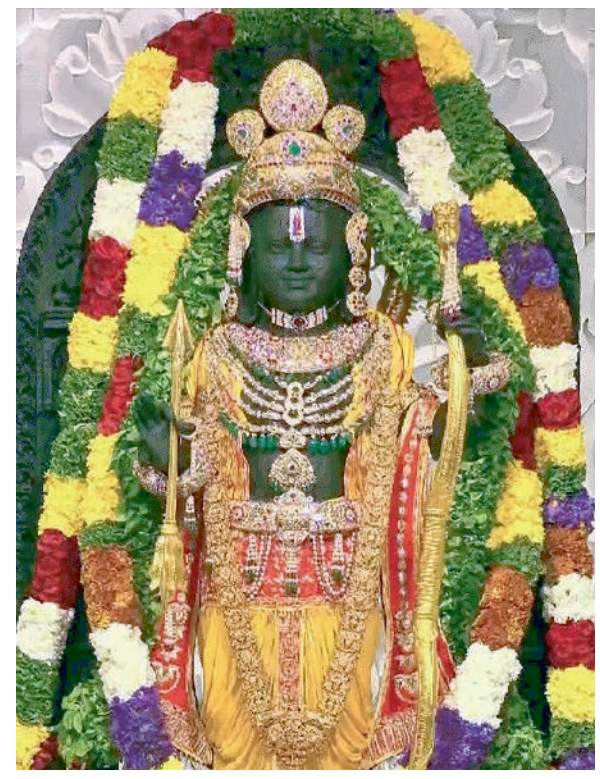

राम मंदिर में सोमवार को नहीं बल्कि इस दिन खेली जाएगी होली, रामलला को अर्पित होगा बिना रसायन वाला गुलाल

रामानंदीय विरक्त वैष्णव परंपरा के अनुरूप रामलला मंगलवार को होली खेलेंगे। सामान्य तौर पर होली सोमवार को मनाई जा रही है किंतु रामलला की होली चैत्र कृष्ण प्रतिपदा का मुहूर्त उदया तिथि में मिलने के कारण मंगलवार को मनाई जाएगी। यह पहली होली है जब रामलला पांच शताब्दियों के बाद पुन गरिमा के अनुरूप भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं।

अयोध्या। रामानंदीय विरक्त वैष्णव परंपरा के अनुरूप रामलला मंगलवार को होली खेलेंगे। सामान्य तौर पर होली सोमवार को मनाई जा रही है, किंतु रामलला की होली चैत्र कृष्ण प्रतिपदा का मुहूर्त उदया तिथि में मिलने के कारण मंगलवार को मनाई जाएगी। यह पहली होली है जब रामलला पांच शताब्दियों के बाद पुनः गरिमा के अनुरूप भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं।

इस विशेष अवसर के लिए व्यापक तैयारी की गई है। मंगलवार को सुबह नियमित पूजन अभिषेक के बाद और श्रृंगार आरती से पूर्व ही रामलला को गुलाल अर्पित किया जाएगा। रामलला के लिए विशेष किस्म का गुलाल लखनऊ स्थित बोटैनिकल गार्डन के विज्ञानियों की ओर से भेंट किया गया है। यह गुलाल कचनार के फूलों से निर्मित है और इसमें किसी प्रकार के रसायन का इस्तेमाल नहीं किया गया है। यद्यपि रामलला को मर्यादा के अनुरूप कपोल, हथेली के ऊपरी हिस्से और पांव में ही गुलाल लगाया जाएगा। वहीं अर्चक गुलाल से एक दूसरे को सराबोर कर होली के उल्लास में डुबकी लगाएंगे।

दोपहर राजभोग में रामलला को दाल, चावल, पूरी, सब्जी, खीर, गुझिया सहित विविध व्यंजन प्रस्तुत किए जाएंगे। सायं संगीत संध्या के माध्यम से रामलला की होली शिखर का स्पर्श करेगी।

रामलला के प्रधान अर्चक आचार्य सत्येंद्रदास के अनुसार, होली तो हम हर साल मनाते थे, किंतु इस बार की होली बिल्कुल अलग है। शताब्दियों से प्रतीक्षित स्वप्न पूर्ण हुआ है। आचार्य सत्येंद्रदास ने न्यायालय में बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी के साथ अपने रामघाट स्थित आवास पर रविवार को होली खेल कर सद्भाव का भी संदेश दिया।

भक्त प्रहलाद की श्री हरि विष्णु के चरणों में अनन्य भक्ति इस उत्सव की आध्यात्मिक प्राण रेखा है। संस्कृत साहित्य में होली के विभिन्न रूपों का वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का वर्णन मिलता है। होली पर्व का वर्णन किस साहित्य में मिलता है उसमें जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र और कथा ग्राह सूर्य उल्लेखनीय हैं।

सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला पर्व है होली

मृत्युंजय दीक्षित

होली का पर्व पूरे भारत में, हर प्रांत में अलग-अलग प्रकार से मनाया जाता है। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बिंदु ब्रज की होली है। जिसमें बरसाने की लट्ठमार होली सर्वाधिक प्रसिद्ध है। मथुरा-वृंदावन में होली का पर्व 15 दिनों तक मनाया जाता है।

भारतीय संस्कृति में होली के पर्व का अद्वितीय स्थान है। यह पर्व उमंग, उल्लास, उत्साह और मस्ती का पर्व है। होली का पर्व सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाला पर्व है। होली का पर्व जलवायु परिवर्तन का भी संकेत देता है। होली का पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला पर्व है। वर्तमान में यह पर्व दो दिन तक मनाया जाता है। पर्व का प्रारम्भ होलिकादहन से होता है। अगले दिन जनमानस अबीर, गुलाल और गीले रंगों के साथ तथा पर्यावरण प्रेमी टेसू के फूलों के रंग के साथ होली खेलने का आनंद लेते हैं। कहीं-कहीं यह पर्व आज भी अपनी प्राचीन परम्परा के अनुरूप रंगभरी एकादशी से प्रारंभ होकर सप्ताह भर तक मनाया जाता है। होली के पर्व को धुरंडी, धुलेंडी, धुरखेल या धूलिवंदन भी कहा जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे के साथ प्रेम के रस में सराबोर हो जाते हैं।

होली के पर्व को "वसंतोत्सव" या "कामोत्सव" भी कहा गया है।

भक्त प्रहलाद की श्री हरि विष्णु के चरणों में अनन्य भक्ति इस उत्सव की आध्यात्मिक प्राण रेखा है। संस्कृत साहित्य में होली के विभिन्न रूपों का वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का वर्णन मिलता है। होली पर्व का वर्णन किस साहित्य में मिलता है उसमें जैमिनी के पूर्व मीमांसा सूत्र और कथा ग्राह सूर्य उल्लेखनीय हैं। नारद और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। हर्ष की प्रियदर्शिका व रत्नालीला तथा कालिदास की कुमारसंभवम् तथा मालविकाग्निमित्रम् में होली का वर्णन मिलता है। भारवि, माघ और कई अन्य संस्कृत के कवियों ने वसंत और होली की खूब चर्चा की हैं। चंदबरदाई के पृथ्वीराज रासो में होली का वर्णन मिलता है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर सूर, रहीम, रसखान, जायसी, मीरा, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव आदि कवियों का प्रिय विषय होली रहा है। महाकवि सूरदास ने होली पर 78 पद लिखे हैं। अवध में रघुवर और सिया, ब्रज में कृष्ण और राधिका होली के नायक नायिका हैं।

इसके अतिरिक्त प्राचीन चित्रों भित्तिचित्रों, मंदिरों की दीवारों पर होली उत्सव के चित्र देखने को मिलते हैं। विजयनगर की राजधानी हंपी के 16वी शताब्दी के एक चित्रफलक में दंपति के होली मनाने का चित्र अंकित किया गया है। इस चित्र में राजकुमार और राजकुमारी को दासियों सहित रंग और पिचकारी के साथ होली खेलते दिखाया गया है। 16वीं शताब्दी में अहमदनगर की एक चित्र आकृति का विषय वसंत रागिनी भी है। इस चित्र में राज परिवार के एक दंपत्ति को बगीचे में झूला झूलते दिखाया गया है। साथ ही अन्य सेवक-सेविकाएं रास रंग में व्यस्त हैं। वे एक-दूसरे पर पिचकारियों से रंग भी डाल रही हैं। मध्यकालीन भारतीय मंदिरों के भित्तिचित्रों और आकृतियों में होली के रंग देखने को मिल जाते हैं। उदाहरण के रूप में 17 वीं शताब्दी में मेवाड़ की एक कलाकृति में महाराणा को अपनी रानियों के साथ चित्रित किया गया है। एक अन्य चित्र में राजा को हाथी दांत के सिंहासन पर बैठा दिखाया गया है जिसके गाल पर महिलाएं रंग मल रही हैं।

होली का पर्व पूरे भारत में, हर प्रांत में अलग-अलग प्रकार से मनाया जाता है। सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बिंदु ब्रज की होली है। जिसमें बरसाने की लट्ठमार होली सर्वाधिक प्रसिद्ध है। मथुरा-वृंदावन में होली का पर्व 15 दिनों तक मनाया जाता है। कुमाऊं में गीतों की होली में संगोष्ठियों का आयोजन होता है जिसे बैठकी होली कहते हैं इससे मिलती जुलती परंपरा झारखंड में भी देखने को मिलती है। हरियाणा के धुलेंडी क्षेत्र में भाभी द्वारा देवर को उठाने की प्रथा है। बंगाल में चैतन्य महाप्रभु की जयंती धूमधाम से मनाया जाती है। महाराष्ट्र में होली का पर्व रंग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। पंजाब में होली का पर्व होला मोहल्ला के रूप में मनाया जाता है। तमिलनाडु में यह पर्व कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोत्सव है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ की होरी में लोकगीतों की अदभुत परम्परा है। मालवा के अंचलों में यह पर्व भगोरिया नाम से बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

होली के दिन सामाजिक समरसता का वातावरण देखने को ही मिलता है। इस पर्व के साथ खान पान और पकवान की भी कई परम्पराएं जुड़ी हैं जिनमे सबसे लोकप्रिय परम्परा गुझिया बनाने की है। गुझिया केवल होली के पर्व पर ही बनने वाला पकवान है। इसके अतिरिक्त घरों में विशेष परम्परागत भोजन बनाने की परम्परा है। यह भोजन और पकवान भी एक अलग प्रकार से समाज में मिठास घोलता है व मानव जीवन में एक नया उत्साह और उमंग तथा जोश भरता है। होली और होलाष्टक के दिनों में केवल होली की बातें की जाती हैं तथा इस दौरान समाज में अन्य प्रकार के प्रचलित धार्मिक और मांगलिक कामों का वार्तालाप बंद रहता है।

मीठी गुजिया के साथ आई रंगों की बहार, होली के दिन इन शुभ संदेशों के जरिये भेजें अपनों को प्यार

होली का त्योहार आने वाला है। इस मौके पर गुजिया के स्वाद के साथ हरे, पीले, नीले रंगों के साथ होली खेलते हैं और प्यार बांटते हैं। फाल्गुन माह में आने वाले इस त्योहार के बाद गर्मियां शुरू हो जाती है। त्योहारों पर अपनों से मिल पाना कई बार संभव नहीं हो पाता है, लेकिन इस मौके पर अपनों का भेजा हुआ एक संदेश ही चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर सकता है। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं इस होली के मौके पर सोशल मीडिया के जरिये अपनों को प्यार भेजने के लिए कुछ शायरियां और शुभ संदेश-

होली शायरी (Holi Shayari)

1. बरसाएंगे रंगों की फुहार,
आया है होली का त्योहार,
अब नहीं चलेगा कोई बहाना यार,
मुबारक हो आपको होली का त्योहार..
हैप्पी होली!

2. मथुरा की खुशबू और गोकुल का हार
वृंदावन की सुगंध के साथ बरसाने की फुहार
राधा की उम्मीद और कान्हा का प्यार
मुबारक हो आपको होली का त्यौहार !
होली की हार्दिक शुभकामनाएं!

3. प्यार के रंग से रंगी दुनिया सारी,
राधा रंग और कान्हा की पिचकारी
आपको और आपके परिवार को हैप्पी होली!

4. गुलाल का रंग के साथ खुशियों की बहार
सूरज की किरणें और गुब्बारों की मार
चांद की चांदनी संग अपनों का प्यार
मुबारक हो आपको रंगों का त्योहार.
होली की हार्दिक शुभकामनाएं!

5. मन के शिकवे-गिले मिटाना है
रूठे यारों को मनाना है
आ गया है होली का त्योहार
मिलकर सबको गले से लगाना है

हैप्पी होली 2024

6. मीठी गुजिया के साथ आई रंगों की बहार,
आप सबको मुबारक को होली का त्योहार
हैप्पी होली

7. कान्हा संग सदेव है राधा का प्यार
होली के त्योहार पर आप सभी को ढेर सारा प्यार
हैप्पी होली!

8. पिचकारी की धार, गुलाल की बौछार
अपनों का प्यार, यही है होली का त्योहार
होली की हार्दिक शुभकामनाएं!

9. चली पिचकारी उड़ा है गुलाल, रंग बरसे नीले हरे लाल
फाल्गुन की बहार, मुबारक हो आपको होली का त्योहार
हैप्पी होली!

10. उठाकर हाथों में पिचकारी,
खेले कान्हा संग राधा रानी
पानी के गुब्बारे और उड़े हवा में गुलाल
मुबारक हो आपको होली का त्योहार!

11. उड़े हवा में गुलाल और साथ है अपनों का प्यार
आपको और आपके परिवार को मुबारक हो होली का त्योहार!

12. गुजिया की मिठास और अपनों का प्यार
रंग-बिरंगे मिजाज के साथ चेहरे पर मुस्कान
मुबारक हो आपको होली का त्योहार!

आतिशी बन सकती हैं दिल्ली की अगली सीएम...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के अगले मुख्यमत्री की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। आम आदमी पार्टी में दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री पद की सबसे मजबूत दावेदार के रूप में आतिशी का नाम सामने आ रहा है। हालांकि पार्टी में कुछ लोग केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के नाम की चर्चा कर रहे हैं। बता दें कि गुरूवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के पश्चात आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आया था कि वह जेल के अंदर से ही सरकार चलाएंगे। परंतु संवैधानिक स्थिति पर चर्चा के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि केजरीवाल के लिए जेल के अंदर से सरकार चलाना संभव नहीं है। कानून विशेषज्ञों का कहना है कि यह अधिकार क्षेत्र उपराज्यपाल के पास है कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल के अंदर से सरकार चलाने की अनुमति देते हैं अथवा नहीं। इसके बाद पार्टी में अगले मुख्यमंत्री की तलाश शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री पद की सबसे प्रबल दावेदार आतिशी हैं। उनके पास फिलहाल शिक्षा, वित्त, पीडब्लूडी और राजस्व सहित सबसे ज्यादा 14 विभाग हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उन्हें पिछले साल ही अपने मंत्रिमंडल में पहली महिला मंत्री के रूप में शामिल किया था। इससे पहले आतिश पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की सलाहकार रह चुकी हैं और दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था के मामले में कई प्रयोग करती रही हैं। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के बाद आम आदमी पार्टी में आतिशी तीसरी सबसे ज्यादा पॉवरपफुल नेता हैं। कारण है कि वह दोनों ही शीर्ष नेताओं की सबसे ज्यादा विश्वसनीय रहीं हैं। हालांकि पार्टी में कुछ लोग अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के नाम की चर्चा मुख्यमंत्री पद के लिए कर रहे हैं। परंतु दिल्ली के मामले में कानूनी दांव-पेंच बहुत ज्यादा हैं और सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाने में कई संवैधानिक पेंच फंस सकते हैं। यदि आतिशी मुख्यमंत्री बनती हैं तो आम आदमी पार्टी के एक और विधायक की लॉटरी लग सकती है। क्योंकि दिल्ली में मुख्यमंत्री सहित कुल 7 मंत्री बनाये जा सकते हैं और यदि अरविंद केजरीवाल इस्तीफा देते हैं तो आतिशी के मुख्यमंत्री बनने पर एक और विधायक को मंत्री बनाया जायेगा।

ED की कस्टडी से केजरीवाल ने जारी किया पहला आदेश, जल समस्या को लेकर दिल्ली सीएम ने आतिशी से कही यह बात

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और जल विभाग के लिए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा भेजे गए आदेश को पढ़ा। आतिशी ने कहा, 'ऐसी स्थिति में भी वह अपने बारे में नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता और उनकी समस्याओं के बारे में सोच रहे हैं।'

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टडी में जाने के बाद पहला आदेश जारी किया है। जल मंत्रालय को लेकर अरविंद केजरीवाल ने ये ऑर्डर जारी किया है। अरविंद केजरीवाल ने नोट जारी कर लिखित में जल मंत्री को आदेश दिया है।

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और जल विभाग के लिए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा भेजे गए आदेश को पढ़ा। आतिशी ने कहा, 'ऐसी स्थिति में भी वह अपने बारे में नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता और उनकी समस्याओं के बारे में सोच रहे हैं।'

आतिशी ने कहा, 'दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने ईडी की कस्टडी में होते हुए, बतौर जल मंत्री मेरे लिये निर्देश भेजे हैं कि दिल्ली वालों को हो रही पानी और सीवर की समस्याओं का तुरंत समाधान हो, और गर्मियों में पर्याप्त पानी के टैंकरों का इंतजाम किया जाये। जब मैंने यह निर्देश पढ़े तो मेरी आँखों में आंसू आ गए। मैंने सोचा कि यह इंसान किस मिट्टी के बने है, जो इतनी विपरीत परिस्थिति में अपने बारे में नहीं सोच रहे, बल्कि दिल्ली वालों के बारे में सोच रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल अपने आप को सिर्फ दिल्ली वालों का मुख्यमंत्री नहीं मानते, वो हर दिल्ली वाले को अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। तो एक बेटा, एक बड़ा भाई होने के नाते, उन्हें हिरासत में भी 24 घंटे अपने दिल्ली के दो करोड़ लोगों के परिवार की चिंता सता रही है। वो दिल्ली वालों के बारे में ही सोच रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा, 'मुझे पता चला है कि दिल्ली के कुछ इलाकों में पानी और सीवर की काफी समस्याएं हो रहीं है। इसे लेकर मैं चिंतित हूं। चूंकि मैं जेल में हूं, इस वजह से लोगों को जरा भी तकलीफ नहीं होनी चाहिए। गर्मियां भी आ रही हैं। जहां पानी की कमी है, वहां उचित संख्या में टैंकरों का इंतजाम कीजिए। मुख्य सचिव समेत अन्य अधिकारियों को उचित आदेश दीजिए ताकि जनता को किसी तरह की परेशानी ना हो। जनता की समस्याओं का तुरंत और समुचित समाधान होना चाहिए। जरूरत पड़ने पर उपराज्यपाल महोदय का भी सहयोग लें। वे भी आपकी जरूर मदद करेंगे।'

अरविंद केजरीवाल हो चूके गिरफ्तार अब क्या होगा आम आदमी पार्टी का अगला प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बीजेपी का प्लान पहले से ही था कि विपक्ष के सभी नेताओं को अंदर कर दो उन्हें एजेंसी से डराओ. अरविंद केजरीवाल एक व्यक्ति नहीं एक संस्था है. केजरीवाल को तो गिरफ्तार कर लेंगे लेकिन उनकी सोच को कैसे गिरफ़्तार कर लोगे. मेरी जो ज़िम्मेदारी है मैं उस ज़िम्मेदारी को निभाऊंगा. पार्टी भी चलेगी और सरकार भी चलेगी इसमें कोई संदेह की बात नहीं है. ईडी की सबूतों का दावा करने पर बोले सीएम मान सीएम मान ने कहा बीजेपी के ख़िलाफ कभी कोई मनी ट्रैल नही निकाली है, ईडी ने बीजेपी के खिलाफ कोई छापा नहीं मारा है. 8 हज़ार करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड मिले हैं. पहले छापा फिर बॉन्ड. यह डराने की राजनीति है. बड़ी-बड़ी कंपनियां, चीन की कंपनी तक ने बॉन्ड दिया है. हमारे यहां से एक रूपया अभी तक ईडी को नहीं मिला है. मुख्यमंत्री जेल से कैसे सरकार चलाएंगे पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा किसी कानून में लिखा नहीं है कि अगर आप सिटिंग मुख्यमंत्री को आरोप लगाकर ले जाते है तो वह मुख्यमंत्री नहीं रह सकता. बिल्कुल सरकार चलेगी, जेल से चलेगी. चार जून को जब चुनाव के रिजल्ट आएंगे तो आम आदमी पार्टी एक बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी. केजरीवाल के अलावा कौन चेहरा है चुनाव में इसपर उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोग हमारा चेहरा है लोगों के पास जाएंगे उनको बताएंगे. चेहरा पब्लिक बनाती है. लोग जब चाहें किसी भी व्यक्ति को अर्श पर फर्श पर और फर्श से अर्श पर पहुंचा सकते है.

रमेश बिधूड़ी द्वारा होली मिलन समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हजारों की संख्या में गणमान्य वरिष्ठ लोग स्नेह, उत्साह और उमंग से भरे होली मिलन समारोह में सम्मिलित हुए।

दिलीप देवतवाल

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने शिव आसरा ट्रस्ट तुगलकाबाद जिसके वह चेयरमैन हैं और विवेक बिधूड़ी फाउंडेशन द्वारा डीडीए ग्राउंड महरौली-बदरपुर रोड़ तुगलकाबाद में होली मिलन समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान तुगलकाबाद गॉंव, बदरपुर, प्रहलादपुर, हरकेश नगर, गोविन्दपुरी, कालकाजी, संगम विहार, देवली, खानपुर, मदनगीर, वसंत कुंज, महरौली, महिपालपुर, कापसहेड़ा, राजनगर, साध नगर, पालम, छत्तरपुर, आया नगर आदि

क्षेत्रों से हजारों की संख्या में गॉव के गणमान्य वरिष्ठ लोग स्नेह, उत्साह और उमंग से भरे होली पर्व के अवसर पर सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने समारोह में आए सभी लोगों व अतिथियों को होली की शुभकामनाएँ दी। इसके बाद लोगों ने समारोह में सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियों का आनन्द लेते हुए पूर्ण हर्षोल्लास के साथ भाईचारे और सौहार्दपूर्ण तरीके से एक दूसरे से गले मिलकर और रंग-गुलाल लगाकर होली का त्यौहार मनाया व एक-दूसरे को बधाई दी।

केजरीवाल से मिलने ईडी कार्यालय पहुंची सुनीता केजरीवाल, मुलाकात के लिए हर दिन मिलता आधा घंटा

परिवहन विशेष न्यूज

सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ईडी कार्यालय पहुंचीं। उन्हें हर दिन शाम 6-7 के बीच आधे घंटे के लिए केजरीवाल से मिलने की अनुमति दी थी।

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ईडी कार्यालय पहुंचीं। इससे पहले अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल शनिवार शाम को भी कार्यालय पहुंचीं थी। पीएमएलए मामलों में विशेष अदालत ने केजरीवाल के वकीलों के अलावा उनकी पत्नी सुनीता और केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार को हर दिन शाम 6-7 के बीच आधे घंटे के लिए उनसे मिलने की अनुमति दी थी।

इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने जेल से जनता के लिए अपना संदेश अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के माध्यम से ही सुनाया था। इस संदेश में उन्होंने जल्द जेल से बाहर आने का भरोसा दिखाया। साथ ही, आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं से दिल्ली सरकार की योजनाओं को आगे चालू रखने की बात भी कही थी। लेकिन जिस तरह उन्होंने अपना संदेश देने के लिए किसी दूसरे नेता की बजाय अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को चुना है,

उससे यह संकेत मिल गए कि यदि अरविंद केजरीवाल को जेल जाने के कारण इस्तीफा देना पड़ता है, तो मुख्यमंत्री पद पर सुनीता केजरीवाल ही उनकी पहली पसंद हो सकती हैं।

वहीं, दूसरी तरफ यह है कि आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल के अलावा किसी दूसरे को अपना नेता नहीं मानते। यदि किसी दूसरे को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी जाती है, तो इससे पार्टी के ही कुछ नेताओं-कार्यकर्ताओं के उसके खिलाफ होने की संभावना बन सकती है। पार्टी में अलग-अलग धड़े बनकर बगावत वाली स्थिति भी बन सकती है, जबकि अरविंद केजरीवाल की पत्नी होने के कारण सुनीता केजरीवाल के खिलाफ कोई नहीं जाएगा। चूंकि कार्यकर्ता भी उन्हें अरविंद केजरीवाल से ही जोड़कर देखते हैं, लिहाजा वे उनके आदेशों को भी अरविंद केजरीवाल की तरह ही मानेंगे।

फैक्टरी में लगी भीषण आग, दमकल की 25 गाड़ियां पहुंची; 100 से ज्यादा फायरकर्मी बुझाने में जुटे

बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके के डीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई है। आग थोड़ी देर पहले लगी है, मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशनों से आग बुझाने वाली आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियां रवाना कर दी गई हैं। आग बुझाने में अभी लंबा वक्त लग सकता है। डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर एस के दुआ सहित 100 से ज्यादा फायर कर्मियों की टीम मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई हैं। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। आग किस वजह से लगी है, अभी पता नहीं चल पाया है। फिलहाल मौके पर आग बुझाने का काम जोर-जोर से किया जा रहा है। फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि दोपहर 12:00 बजे आग लगने की सूचना मिली थी।

INDI गठबंधन केंद्र सरकार के खिलाफ 31 मार्च को रामलीला मैदान में रैली का आयोजन करेगा।

रामलीला मैदान में विपक्ष की 31 मार्च को महा रैली, कांग्रेस बोली- देश के लोकतंत्र पर हमला

परिवहन विशेष न्यूज

शराब घोटाला मामला में कोर्ट से राहत न मिलने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को छह दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी सड़क पर उतर गई है।

दिल्ली कांग्रेस चीफ अरविंदर सिंह लवली ने कहा, '31 मार्च को INDI गठबंधन दिल्ली में एक बड़ी रैली करेगा, INDI गठबंधन के प्रमुख नेता रैली को संबोधित करेंगे। ये रैली सिर्फ राजनीतिक रैली नहीं होगी, यह रैली भारत के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई का आह्वान होगा।'

'लोकतंत्र को बचाने के लिए महा रैली'

दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी ने कहा, 'INDI गठबंधन 31 मार्च को रामलीला मैदान में 'महा रैली' का आयोजन कर रही है। यह अरविंद केजरीवाल को बचाने के लिए नहीं बल्कि लोकतंत्र को बचाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। विपक्ष को एकतरफा हमलों का सामना करना पड़ रहा है।'

'महा रैली में INDI गठबंधन के तमाम बड़े नेता शामिल होंगे'

आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'रामलीला मैदान एक ऐतिहासिक जगह है। देश के बड़े-बड़े आंदोलन रामलीला मैदान में हुए, आम आदमी पार्टी का उदय रामलीला मैदान से हुआ है। इसमें (महा रैली) INDI गठबंधन के तमाम बड़े नेता शामिल होंगे और देश को, विश्व को संदेश देंगे।'

'जनता को अरविंद केजरीवाल का असली चेहरा, उनकी भ्रष्ट सोच दिख गई'

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, 'जो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाने, नैतिकता की बात करते थे, वे अनैतिक कार्य करते रहे। आज जेल से सरकार चला रहे हैं। देश की जनता को अरविंद केजरीवाल का असली चेहरा, उनकी भ्रष्ट सोच दिख गई। जिसके सांसद से लेकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री जेल में हों वे कैसी सरकार चलाते होंगे। दिल्ली की जनता ठगा हुआ महसूस कर रही है और ठगी करने वाले जेल से सरकार चला रहे हैं।'

31 मार्च को रामलीला मैदान में रैली

INDI गठबंधन केंद्र सरकार के खिलाफ 31 मार्च को रामलीला मैदान में रैली का आयोजन करेगा। इस दौरान INDI गठबंधन के नेता देश को बचाने, तानाशाही खत्म करने के लिए अपनी आवाज को बुलंद करेंगे। वहां से और मिलकर संयुक्त लड़ाई को देश के अंदर बढ़ाएंगे। दिल्ली कांग्रेस और आप की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बातें कहीं गईं। कांग्रेस ने कहा कि देश के लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। विपक्ष को खत्म करने की साजिश की जा रही है।

'भ्रष्टाचार का प्रतीक केजरीवाल'

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 'आज हमने भ्रष्टाचार की होलिका का दहन किया है। दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रम हो रहे हैं। दिल्ली में अगर कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार का प्रतीक है तो वह अरविंद केजरीवाल हैं, अरविंद केजरीवाल मुक्त शासन, भ्रष्टाचार मुक्त शासन दिल्ली को मिले इसके लिए दिल्ली का हर व्यक्ति संकल्पबद्ध है।'

'भाजपा ने 55 करोड़ रुपये का यह चंदा लिया'

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'चुनावी बांड के पीछे छिपकर भाजपा ने तथाकथित उत्पाद शुल्क नीति मामले के सबसे बड़े सरगना शरद चंद्र रेड्डी से लगभग 60 करोड़ रुपये लिए। यह कोई आरोप नहीं है, यह सच्चाई है और हमने सबूत दिखाए हैं। शरद चंद्र रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने 55 करोड़ रुपये का यह चंदा लिया।

मनोज तिवारी ने केजरीवाल पर बोला हमला

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, 'ईडी की हिरासत में एक मुजरिम आज एक सक्रिप्ट रचा गया कि दिल्ली में पानी और सीवर व्यवस्थित नहीं है। यह तब हुआ जब उनकी गिरफ्तारी पर दिल्ली का कोई भी व्यक्ति न ही उनके समर्थन में आया और न दुख जताया। बहुत देर हो चुकी है अरविंद केजरीवाल, जब आप एक मुजरिम की तरह जेल गए तो एक सक्रिप्ट निकल कर आ रही है लेकिन दिल्ली इसे सुनने वाली नहीं है।'

'केजरीवाल दिल्ली वालों को सिर्फ मतदाता नहीं, बल्कि अपने परिवार की तरह मानते हैं'

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, 'अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली वाले सिर्फ उनके मतदाता नहीं है, वे दिल्ली वालों को अपने परिवार की तरह मानते हैं। यही कारण है कि आज इतनी मुश्किल परिस्थिति में होते हुए भी वे अपने परिवार यानी कि दिल्ली वालों के बारे में सोच रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा, 'मुझे पता चला है कि दिल्ली के कुछ इलाकों में पानी और सीवर की काफी समस्याएं हो रहीं है। इसे लेकर मैं चिंतित हूं। चूंकि मैं जेल में हूं, इस वजह से लोगों को जरा भी तकलीफ नहीं होनी चाहिए। गर्मियां भी आ रही हैं। जहां पानी की कमी है, वहां उचित संख्या में टैंकरों का इंतज़ाम कीजिए। मुख्य सचिव समेत अन्य अधिकारियों को उचित आदेश दीजिए ताकि जनता को किसी तरह की परेशानी ना हो। जनता की समस्याओं का तुरंत और समुचित समाधान होना चाहिए। जरूरत पड़ने पर उपराज्यपाल महोदय का भी सहयोग लें। वे भी आपकी जरूर मदद करेंगे।'

ईडी की कस्टडी से केजरीवाल ने जल मंत्री को निर्देश दिए

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और जल विभाग के लिए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा भेजे गए आदेश को पढ़ा। आतिशी ने कहा, 'ऐसी स्थिति में भी वह अपने बारे में नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता और उनकी समस्याओं के बारे में सोच रहे हैं।'

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी हिरासत से दिल्ली की पानी और सीवर व्यवस्था के संबंध में जल मंत्री को निर्देश दिए। उनको कहा कि उन्हें ईडी कस्टडी के दौरान मालूम हुआ कि अनेक इलाकों में पानी व सीवर समस्या उत्पन्न हो गई है। इसलिए इस समस्या का समाधान करने के लिए कदम उठाए जाएं। जल मंत्री मुख्य सचिव समेत सभी अधिकारियों को इस संबंध में आदेश दे। उपराज्यपाल से सहयोग मांगा जाए। वह इस मामले में अवश्य मदद करेंगे।

चुनाव नहीं लड़ेंगे भाजपा सांसद वीके सिंह, लिखा- गाजियाबाद की जनता का रहूंगा आभारी

मैंने गाजियाबाद को एक विश्व स्तरीय शहर बनाने के सपने को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया है।

नई दिल्ली। भाजपा सांसद वीके सिंह ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 न लड़ने का एलान किया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मैंने सैनिक के रूप में इस राष्ट्र की सेवा में अपना सारा जीवन समर्पित किया है। पिछले 10 वर्षों से, मैंने गाजियाबाद को एक विश्व स्तरीय शहर बनाने के सपने को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया है। इस यात्रा में, देश और गाजियाबाद के नागरिकों के साथ-साथ भाजपा के सदस्यों का जो विश्वास और प्रेम मुझे प्राप्त हुआ है, उसके लिए मैं आभारी हूं। यह भावनात्मक बंधन मेरे लिए अमूल्य है।

इन भावनाओं के साथ, मैंने एक कठिन, परंतु विचारपूर्ण निर्णय लिया है। मैं 2024 के चुनावों में नहीं लड़ूंगा। यह निर्णय मेरे लिए आसान नहीं था, परंतु मैंने इसे अपने दिल की गहराइयों से लिया है। मैं अपनी ऊर्जा और समय को नई दिशाओं में ले जाना चाहता हूँ, जहां अपने देश की सेवा अलग तरीके से कर सकूं।

इस यात्रा में आपके साथी रहने के लिए मैं आप सब को दिल से धन्यावाद देता हूं। आपके प्यार, समर्थन और विश्वास ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। आगे भी, मैं देश और सब नागरिकों के प्रति अपनी सेवा जारी रखूंगा, बस एक नए रूप में।

अब यही सवाल... गाजियाबाद से पूर्व थलसेना अध्यक्ष की जगह पूर्व वायुसेना प्रमुख या फिर कोई और गाजियाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा के टिकट दावेदारों में एक और नाम जुड़ गया है। यह नाम है पूर्व वायुसेना प्रमुख राकेश कुमार सिंह भदौरिया का जिन्होंने रविवार को ही भाजपा का दामन थामा है। इसी के साथ अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि भाजपा उन्हें मौजूदा सांसद पूर्व थल सेना अध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) विजय कुमार सिंह की जगह उतार सकती है। अब जब उन्होंने चुनाव न लड़ने का एलान कर दिया है तो देखना यह है कि टिकट की बाजी पूर्व थल सेना अध्यक्ष मारते हैं या फिर किसी और को उम्मीदवार बनाया जाता है।

गाजियाबाद को भाजपा हाईकमान सबसे सुरक्षित सीटों में से एक मानकर चलता है। 1991 में यहां पहली बार कमल खिला था। तब से 2019 तक हुए आठ चुनावों में सात भाजपा ने जीते हैं। सातों बार क्षत्रिय उम्मीदवार रहे। चार बार रमेश चंद तोमर जीते, एक बार राजनाथ सिंह और दो बार जनरल रिटायर्ड वीके सिंह। इनमें वीके सिंह की जीत सबसे बड़ी रही। वह दोनों बार पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीते। इसके बावजूद भाजपा उम्मीदवारों की चार सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया। मेरठ मंडल की पांच सीटों में से गाजियाबाद और मेरठ से ही टिकट फाइनल नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि दोनों सीटों के टिकट एक दूसरे से जुड़े हैं। पश्चिम यूपी के समीकरण को देखते हुए एक सीट से क्षत्रिय और एक से वैश्य समाज से टिकट दिया जाना है। पिछले चुनावों में भी भाजपा ऐसा करती रही है।

आरके सिंह आगरा के बाह तहसील क्षेत्र के कोरथ गांव के रहने वाले हैं। यह गांव फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र में आता है और क्षत्रिय बहुल भी है लेकिन यहां से मौजूदा सांसद राजकुमार चाहर को उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

टिकट की टेंशन

भाजपा में गाजियाबाद सीट से इस बार सबसे पहले केंद्रीय मंत्री का नाम चला। उनका नाम मुंबई से घोषित हो चुका है।

दूसरा नाम राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह का तेजी से चला। उन्हें गाजियाबाद के विधायकों की पसंद बताया गया।

अरुण सिंह को भाजपा ने आंध्र प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया तो गाजियाबाद से टिकट दावेदारों से उनका नाम हट गया।

अरुण सिंह के हट जाने से वीके सिंह का टिकट फाइनल माना जा रहा था लेकिन आरके सिंह के आने से कहानी में ट्विस्ट आ गया।

टिकट दावेदारों में और भी कई नाम हैं। इनमें अभिनेत्री कंगना रणौत, कवि कुमार विश्वास और पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल शामिल हैं।

कांग्रेस और बसपा ने भी नहीं खोले पत्ते

गाजियाबाद सीट पर अभी तक कांग्रेस और बसपा ने भी पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस में कई दावेदारों के नाम चल रहे हैं। एक -दो कई दिन से सक्रिय भी हैं। ये पहले चुनाव लड़ चुके हैं। देखना यह है कि पार्टी किसी पुराने चावल पर भरोसा करती है या फिर नया चेहरा उतारती है।

भाजपा ने जारी की UP के उम्मीदवारों की सूची, वरुण गांधी का टिकट कटा; मां मेनका पर भरोसा कायम

परिवहन विशेष न्यूज

पार्टी ने पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी का टिकट काट दिया है। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा मेनका गांधी का टिकट सुलतानपुर से बरकार रखा गया है।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपनी पांचवीं सूची जारी कर दी है। इसमें 13 उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है। पार्टी ने पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी का टिकट काट दिया है। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा मेनका गांधी का टिकट सुलतानपुर से बरकार रखा गया है।

गाजियाबाद से सांसद वीके सिंह का टिकट काटकर अतुल गर्ग को दिया है। इसके अलावा मेरठ से अरुण गोविल को उम्मीदवार बनाया है। अलीगढ़ से सतीश गौतम, बाराबंकी से राजरानी रावत, मुरादाबाद से सर्वेश सिंह, हाथरस से अनूप वाल्मीकि, बरेली से क्षत्रपाल सिंह, सहारनपुर से राघव लखनपाल, कानपुर से रमेश अवस्थी, बहराइच से अरविंद गोंड और बदायूं से दुर्विजय शाक्य को टिकट दिया गया।

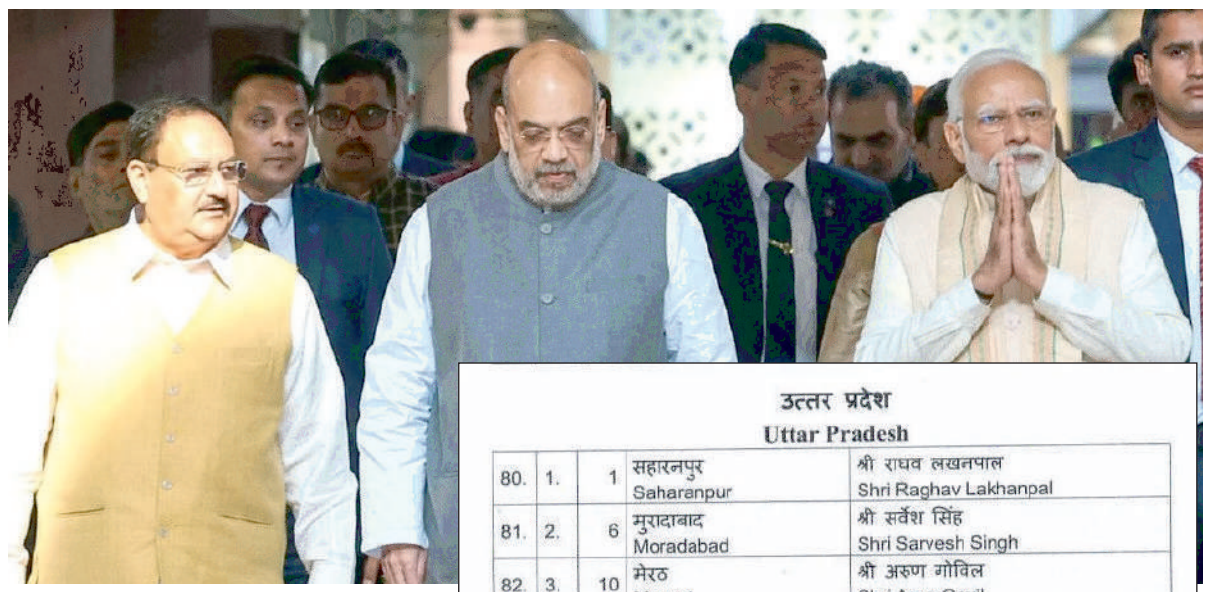

उत्तर प्रदेश
Uttar Pradesh

80.	1.	1	सहारनपुर Saharanpur	श्री राघव लखनपाल Shri Raghav Lakhanpal
81.	2.	6	मुरादाबाद Moradabad	श्री सर्वेश सिंह Shri Sarvesh Singh
82.	3.	10	मेरठ Meerut	श्री अरुण गोविल Shri Arun Govil
83.	4.	12	गाज़ियाबाद Ghaziabad	श्री अतुल गर्ग Shri Atul Garg
84.	5.	15	अलीगढ Aligarh	श्री सतीश गौतम Shri Satish Gautam
85.	6.	16	हाथरस (अजा) Hathras (SC)	श्री अनूप वाल्मीकि Shri Anoop Valmiki
86.	7.	23	बदायूं Badaun	श्री दुर्विजय सिंह शाक्य Shri Durvijay Singh Shakya
87.	8.	25	बरेली Bareilly	श्री छत्रपाल सिंह गंगवार Shri Chhatrapal Singh Gangwar
88.	9.	26	पीलीभीत Pilibhit	श्री जितिन प्रसाद Shri Jitin Prasada
89.	10.	38	सुल्तानपुर Sultanpur	**श्रीमती मेनका गाँधी Smt. Maneka Gandhi**
90.	11.	43	कानपुर Kanpur	श्री रमेश अवस्थी Shri Ramesh Awasthi
91.	12.	53	बाराबंकी (अजा) Barabanki (SC)	**श्रीमती राजरानी रावत Smt. Rajrani Rawat**
92.	13.	56	बहराईच (अजा) Bahraich (SC)	डॉ॰ अरविन्द गोंड Dr. Arvind Gond

'तेरे शहर में आए Rao Sahab': जमानत मिलते ही घर पहुंचे एल्विश, साझा की पहली तस्वीर; फैन्स को लिखा मैसेज

परिवहन विशेष न्यूज

यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 विजेता एल्विश यादव ने जेल से बाहर आने के बाद सोशल मीडिया पर अपनी पहली तस्वीर साझा की और साथ ही फैंस को मैसेज भी लिखा।

पांच दिन जेल में बिताने के बाद गुरुग्राम की एक अदालत ने यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 विजेता एल्विश यादव को जमानत दे दी। जिसके बाद वह अपने घर पहुंचे और यहां से उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी पहली तस्वीर साझा की। वहीं दूसरी तरफ जमानत मिलते ही समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया

एल्विश इंस्टाग्राम पर फोटो में कैमरे के लिए पोज देते हुए थम्स अप करते नजर आए। जबति वहीं उन्होंने ट्वीट कर फैंस को मैसेज दिया। एल्विश ने लिखा कि मेरे लिए प्रार्थना करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। मैं ठीक हूं, स्वस्थ हूं।

धन्यवाद सभी का जिन्होंने मेरे लिये प्राथना की मैं ठीक हूँ स्वस्थ हूँ।

समर्थकों ने मनाया जश्न

एल्विश यादव को जमानत मिलने की खबर आते ही उनके समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर यू-ट्यूबर के समर्थकों ने नोएडा पुलिस पर बगैर किसी सबूत के गिरफ्तार करने का आरोप लगाया। आलम यह रहा कि सोशल मीडिया पर एल्विश यादव और नोएडा पुलिस भी फिर से ट्रैंड करने लगे।

एल्विश यादव को जमानत मिलने की खबर आते ही उनके समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर यू-ट्यूबर के समर्थकों ने नोएडा पुलिस पर बगैर किसी सबूत के गिरफ्तार करने का आरोप लगाया। आलम यह रहा कि सोशल मीडिया पर एल्विश यादव और नोएडा पुलिस भी फिर से ट्रैंड करने लगे।

समर्थकों में जश्न का माहौल

वहीं इसी बीच जयपुर के युवाओं का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें लोग एल्विश के गाने पर डांस कर रहे हैं और होली मना रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि एल्विश के जेल से बाहर निकलने के बाद जयपुर में उनके फैंस ने होली मनाई। एक्स यूजर मन्नू लिखते हैं कि एल्विश के खिलाफ नोएडा पुलिस के पास कोई सबूत था ही नहीं। वहीं नवीन सोनी लिखते हैं कि नोएडा पुलिस के पास अगर एल्विश के खिलाफ कोई ठोस सबूत होता तो आज बेल नहीं मिलती। पुलिस के हाथ खाली थे। वहीं विकास यादव लिखते हैं कि नोएडा पुलिस शुरू से ही सारे कामों में पीछे रही है आगे भी रहेगी।

यूट्यूबर से मारपीट मामले में एल्विश यादव को जमानत

प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट अक्षय कुमार की अदालत ने यूट्यूबर से मारपीट के आरोपी एल्विश यादव को 50 हजार के मुचलके पर शनिवार को जमानत दे दी है। सुबह गौतम बुद्ध नगर पुलिस उसे लेकर गुरुग्राम पहुंची तो स्थानीय पुलिस को इस बारे में जानकारी मिली। इसके बाद गुरुग्राम पुलिस ने एल्विश से तीन घंटे पूछताछ की।

यह था मामला

हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में एल्विश यादव यूट्यूबर सागर ठाकुर के साथ लड़ाई करते दिखा था। मुंबई में छह मार्च 2024 को एक क्रिकेट मैच के दौरान एल्विश की मुनव्वर फारूकी को गले मिलते हुए फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद एल्विश को सागर ठाकुर ने एक्स पर ट्रोल करते हुए टिप्पणी की थी।

इसी को लेकर आठ मार्च 2024 को एल्विश ने अपने साथियों के साथ सागर से लड़ाई की थी। सागर ने एल्विश यादव पर आरोप लगाया था कि वह उसे जान से मारने की कोशिश कर रहा था। इस मामले में सागर ने थाना सेक्टर 53 में एफआईआर दर्ज कराई थी। हालांकि इस मामले में दस मार्च 2024 को फरीदाबाद के बॉडी बिल्डर व फिटनेस यूट्यूबर रजत दलाल और नितिन चंदीला ने समझौता कर दिया था।

18 लोकसभा चुनावों में दस बार कांग्रेस, चार बार बीजेपी उम्मीदवार जीते

गुरुग्राम। साल 1952 से 2019 तक हुए 18 लोकसभा चुनावों में 10 बार कांग्रेस उम्मीदवार गुरुग्राम सीट पर विजयी रहे हैं। वहीं, चार बार बीजेपी प्रत्याशी भी विजयी होकर संसद तक पहुंचे। अन्य दलों को भी एक-एक बार जीत मिली।

गुरुग्राम लोकसभा में 1952 से 1971 तक फरीदाबाद भी शामिल था। इसके बाद गुरुग्राम में महेंद्रगढ़ जुड़ गया था और फरीदाबाद अलग हो गया था। साल 2008 में हुए परिसीमन के बाद गुरुग्राम अलग लोकसभा क्षेत्र बन गया था। ऐसे में 1952 से 2019 तक हुए लोकसभा चुनावों में सबसे ज्यादा कांग्रेस के प्रत्याशी विजयी रहे। फरीदाबाद और महेंद्रगढ़ के साथ जुड़ने या फिर स्वतंत्र रहने की इन परिस्थितियों में कांग्रेस के टिकट पर कई प्रत्याशियों को संसद तक पहुंचने का मौका मिला।

बीच में कई बार क्षेत्र की जनता ने कांग्रेस से दूरी भी बनाई। इस दौरान जनता दल और जनता पार्टी को जीत दिलाई। वहीं 1958 में प्रकाशवीर शास्त्री और 1967 में अब्दुल गनी डार ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता था। इससे पहले साल 1952 में कांग्रेस से ठाकर दास भार्गव, 1957 में अबुल कलाम आजाद, 1962 में गजराज सिंह यादव व 1971 में तैय्यब हुसैन कांग्रेस से जीते थे। वर्ष 1966 में राज्य गठन के साथ साल 1967 के लोकसभा चुनाव में यहां से निर्दलीय प्रत्याशी अब्दुल गनी डार ने चुनाव जीता था। 1971 के चुनाव में कांग्रेस मजबूत हुई और कांग्रेस के मुस्लिम प्रत्याशी तैय्यब हुसैन ने चुनाव जीता।

1977 में गुरुग्राम सीट को महेंद्रगढ़ में शामिल कर दिया गया। इस वर्ष के चुनाव में गुरुग्राम-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से जनता पार्टी के प्रत्याशी मनोहर लाल सैनी के सिर जीत का सेहरा बंधा। साल 1980 में अहीरवाल के कद्दावर नेता राव बिरेंद्र सिंह ने कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। साल 1984 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर राव बिरेंद्र सिंह इस सीट से चुनाव जीते। साल 1989 में लोकसभा चुनाव में राव बिरेंद्र सिंह ने कांग्रेस छोड़कर जनता दल के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत अपने ही नाम पर दर्ज की थी।

बीजेपी को भी मिल चुकी है जीत

साल 1991 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस मजबूत हुई और कांग्रेस प्रत्याशी कर्नल राव राम सिंह ने जीत हासिल की। साल 1996 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को झटका लगा और कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए कर्नल राव राम सिंह ने ही चुनाव जीता। साल 1998 में राव बिरेंद्र सिंह के बेटे राव इंद्रजीत सिंह ने पहली बार कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। वर्ष 1999 में राव इंद्रजीत को कारगिल शहीद की पत्नी सुधा यादव ने पटखनी दी थी। वर्ष 2004 में कांग्रेस एक बार फिर उभरी और कांग्रेस के टिकट पर राव इंद्रजीत सिंह ने बीजेपी प्रत्याशी सुधा यादव को हराया।

खुशहाल समाजों की रैंकिंग से भारत भ्रमित न हो

ललित गर्ग

खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, परोपकार, दान भावना, स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है।

143 देशों के विश्व खुशहाली रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर रहा है जिसमें फिनलैंड ने लगातार छठीं बार सर्वोच्च स्थान पाया है। यह बात भी गौर करने की है कि भारत में दस अंकों का सुधार हुआ है, फिर भी भारत के लिये आश्चर्यकारी एवं विचारणीय है। फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुशहाल देश करार दिया गया है, पर गौर कीजिए, वहां आबादी सिर्फ 56 लाख है। मतलब, इस देश की चुनौतियां बहुत कम हैं। धार्मिक वातावरण ऐसा है कि विद्वेष की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। छोटा राष्ट्र होने की वजह से सरकारों के सामने समस्याएं कम है। अतः फिनलैंड की स्थिति अच्छी है, पर उसकी तुलना भारत जैसे 140 करोड़ आबादी वाले देश से कैसे हो सकती है? यह बहस का विषय है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रायोजित इस वार्षिक रिपोर्ट में नॉर्डिक देशों ने 10 सबसे खुशहाल देशों में अपना स्थान बनाए रखा है। फिनलैंड के बाद डेनमार्क, आइसलैंड, स्वीडन ने शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। इन सभी देशों में समाज समस्यामुक्त एवं काफी सुलझा हुआ है और विविधता वहां ज्यादा समस्याएं पैदा नहीं करती है। देखने की बात है कि खुशहाली की रिपोर्ट विगत एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी हो रही है और पहली बार अमेरिका और जर्मनी जैसे विकसित देशों को शीर्ष 20 देशों में स्थान नहीं मिला है।

पाकिस्तान पिछली बार 108वें स्थान पर था, इस बार 122वें पर आ गया है, पर तब भी भारत से चार पायदान ऊपर है। जिस देश में खूब महंगाई है, जहां की जनता त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है, जहां धार्मिक उन्माद व्यापक है, जो आतंकवाद को प्रोत्साहन देता है, वह देश भी अगर हमसे खुशहाल है, तो ऐसी खुशहाली मापने के तरीकों पर विचार होना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि खुशहाली को तय करने के पैमानों में अवश्य ही कोई पूर्वाग्रह या आग्रह है। क्योंकि ऋण की गुहार लगाता एवं त्राहिमाम करता पाकिस्तान को 122वें स्थान की रैंकिंग देना विडंबनापूर्ण एवं विसंगतिमय हैं, जो इस सूचकांक के महत्व को घटा देती हैं। जो दुनिया के खुश देशों के आकलन में त्रुटि की पूरी संभावनाएं होने को दर्शाता है। अनेक सवाल खड़े करती है यह खुशहाल देशों की रैंकिंग। यह विडंबना ही है कि धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। ऐसी अतार्किक सूची देखकर अफसोस एवं आश्चर्य भी होता है और चिंता भी होती है। क्या खुशहाली को धार्मिक और सामाजिक स्वतंत्रता के आधार पर ज्यादा नहीं देखा जाना चाहिए? खुशहाली को केवल आर्थिक समृद्धि और संसाधनों की अधिकता में घटाकर देखना सही नहीं है।

खुशहाली की रैंकिंग को देखकर भारत को कतई भ्रमित नहीं होना चाहिए।

एक और विडंबना देखिए, निर्मम युद्ध लड़ रहा इजरायल पांचवां सबसे खुशहाल देश है! पीड़ित फलस्तीन 103वें स्थान पर है, तो रूस 72वें स्थान पर और यूक्रेन 105वें स्थान पर। ये देश युद्ध के बावजूद भारत से ज्यादा खुशहाल हैं। पता नहीं, इस रैंकिंग पर कितना भरोसा किया जाए? जहां तक भारत का सवाल है, खुशहाली के सभी पैमानों पर हमें अपने प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं? यह सवाल सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निर्माताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में सम्मानजनक स्थान नहीं बना पा रहे हैं। भारत सरकार इस रिपोर्ट को कितनी गंभीरता से लेती है, यह देखने वाली बात है।

भारत में खुशहाली को बढ़ावा देने में यहां की जनसंख्या सबसे बड़ी बाधा है। भारत के अल्पसंख्यक समुदायों की कट्टरता एवं संकीर्णता भी खुशहाल समाज निर्माण की बड़ी बाधा है। भारत जैसे विशाल और असमान विकास वाले देश के लिए 126वां स्थान कितना मायने रखता है? भारत में कई तरह का भारत है, एक अमीर व खुशहाल भारत है, तो उसमें एक गरीब भारत भी है। गरीब भारत भी विकास कर रहा है, लेकिन आबादी इतनी ज्यादा है कि अभी देश को समग्रता में खुशहाल देशों में अव्वल स्थान बनाने में वक्त लगेगा। सबसे खुशहाल देश फिनलैंड की आबादी महज 56 लाख है, उसके लिए विकास आसान है। भारत के मुम्बई, दिल्ली, कोलकता शहर में इसमें कहीं ज्यादा लोग रहते हैं। वैसे भी खुशी महसूस करना व्यक्ति के खुद की सोच पर निर्भर करता है। इसलिये प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है।

खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं समस्याएं दी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। ऐसे माहौल में व्यक्ति एवं समाज खुशहाल नहीं हो सकता।

खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, परोपकार, दान भावना, स्वतंत्रता, उदारता के भाव में विस्तार जारी रहना चाहिए। भारत का वर्तमान खुशहाली वाला समाज बनने को तत्पर है, भले ही दुनिया की कुछ खुशहाली रैंकिंग तय करने वाली एजेंसियां इससे असहमत हो।

कहीं आपकी कार पर भी ना चढ़ जाए होली का रंग! ऐसे करें बचाव और रहें टेंशन फ्री

रंगों का त्योहार आपको खुशियों से सराबोर करने वाला है। होली 25 मार्च को मनाई जाएगी। सारे गिले शिकवे भूलकर लोग प्यार और मोहब्बत के त्योहार का आनंद उठाते हैं। होली में लोग एक दूसरे को रंग लगाते हैं। ये रंग सूखे और गीले दोनों होते हैं। ये रंग जीवन में एक नई ऊर्जा भरते हैं। लेकिन यह रंग कहीं आपकी कार पर पड़ जाए, तो आपके रंग में भंग डाल सकती है। आपको यह चिंता सता सकती है कि ये रंग कहीं कार के रंग को बेरंग ना कर दें। ऐसे में यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपकी कार बिलकुल चमचमाती रहे। यहां हम आपको कुछ आसान टिप्स बता रहें हैं। ताकि इस होली आप रंगों में खुद को भूल जाएं, और इस टेंशन को भी भूल जाएं, कि आपकी कार रंगों से खराब न हो जाए।

पार्किंग सोच समझ कर करें

अगर आप अपनी कार को किसी पतली गली या एक खुली जगह में खड़ी कर देते हैं। तो होली की खुमारी में उत्साही भीड़ आपकी कार पर मनमर्जी कर सकती है। इसलिए अगर आप होली से पहले अपनी कार को गैराज में पार्क कर दें, तो इससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता। यदि आप अपनी कार को खुली जगह पर पार्क करते हैं तो चीजें थोड़ी मुश्किल हो सकती हैं। अगर आप कार को सड़क किनारे या किसी खुली जगह पर पार्क कर रहे हैं, तो उसे कवर से ढक दें। कार के एक्सटीरियर को बचाने का यह सबसे अच्छा तरीका है।

वैक्स पॉलिश लगाएं

कार को रंगों के असर से बचाने का अच्छा तरीका यह होता है कि कार पर वैक्स पॉलिश लगाई जाए। वैक्स पॉलिश जिद्दी ऑयल पेंट या स्थायी रंगों को कार पेंट की ऊपरी परत में जमने से बचाता है। जिससे आपके कार का रंग सुरक्षित रहेगा।

वॉटरप्रूफ कवर

अगर आप होली से पहले अपनी कार में वैक्स-पॉलिश नहीं लगवा पाएं हैं, तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। आप अपनी कार को वॉटरप्रूफ कवर से ढक सकते हैं। लेकिन इसमें कोई छेद या रिसाव नहीं होना चाहिए। प्लास्टिक कवर की शीट काफी मोटी हो, तो आपके कार को रंग के बौझार से सुरक्षित रखेगा।

क्लिंग फिल्म या फूड रैप लगाएं

पानी से कार के क्रोम के हिस्से खराब जाते हैं। इन्हें बचाने का सबसे उपाय यह है कि इनके ऊपर क्लिंग फिल्म या एलुमीनियम फॉयल लगा सकते हैं। पानी कार के क्रोम फिनिश वाले डोर हैंडल्स और फ्रंट ग्रिल को खराब कर सकता है।

कार के इंटीरियर को ऐसे बचाएं

आप अपनी कार के हैडरेस्ट और बैकरेस्ट को किसी बड़े साइज के पॉलीथिन बैग से कवर कर सकते हैं। अगर यह संभव नहीं है, तो पुराने तौलिये, पर्दे भी सीट पर लपेट सकते हैं। वहीं डोर हैंडल्स, स्टीयरिंग व्हील और गियर नॉब पर क्लिंग फिल्म जरूर लगा दें।

अगर आपकी कार में लेदर सीटें हैं, तो इसे लेदर प्रोटेक्टर का इस्तेमाल कर सुरक्षित किया जा सकता है। इससे रंग सीटों पर नहीं चढ़ पाएगा, साथ ही इससे सीटों की उम्र भी बढ़ती है। वहीं फैब्रिक अपहोलस्ट्री को सुरक्षित रखने के लिए इसे कवर कर दें। डेशबोर्ड और प्लास्टिक के हिस्सों को बचाने के लिए उन पर वैक्स या तेल की एक हल्की सी परत चढ़ा दें। इससे उन पर रंग नहीं चढ़ेगा, वहीं शैंपू और ब्रश का इस्तेमाल करके इस परत को हटाया जा सकता है।

मोटरसाइकिल में क्यों नहीं किया जाता डीजल इंजन का इस्तेमाल? बहुत खास हैं वजहें

देश में हर महीने लाखों की संख्या में दो पहिया वाहनों की बिक्री होती है। लेकिन 500 सीसी और उससे ज्यादा की क्षमता वाली Super Bike को भी काफी ज यादा पसंद किया जाता है। सियाम की रिपोर्ट के मुताबिक February 2024 के दौरान देश में किस कंपनी की ओर से कितनी Super Bike Sale की गई हैं। आइए जानते हैं।

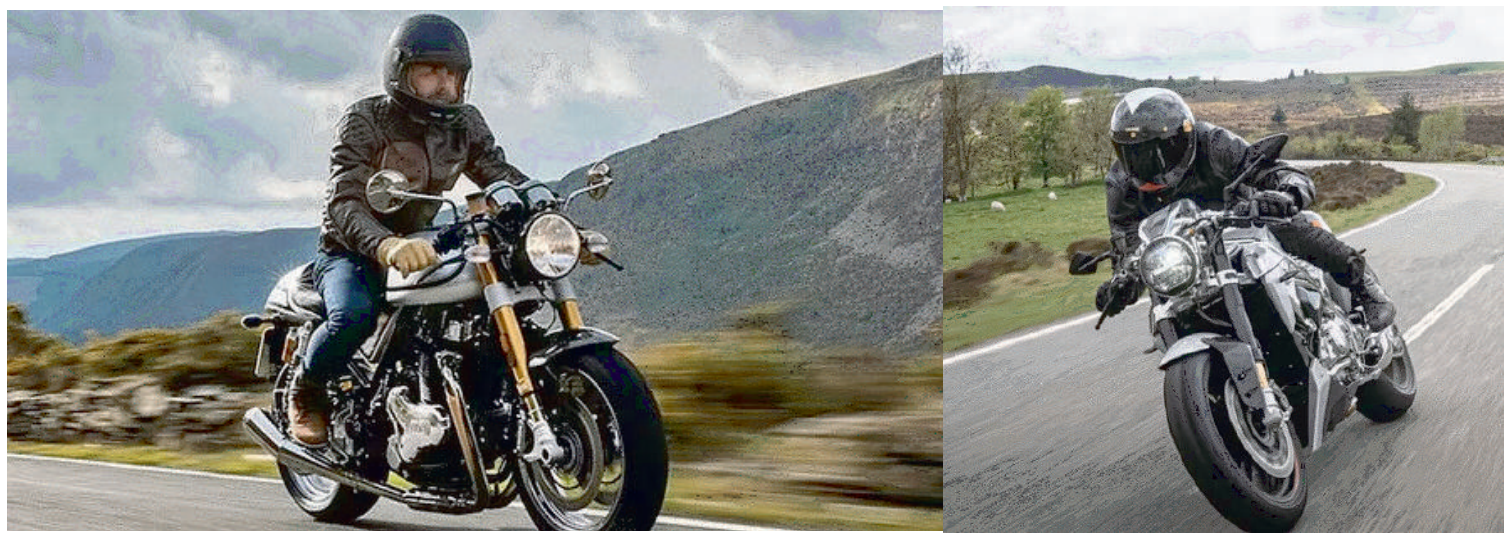

मोटरसाइकिल में आमतौर पर पेट्रोल इंजन होते हैं। क्या आप ने कभी सोचा है कि इनमें डीजल इंजन का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जाता हैं। खासकर इसलिए भी क्योंकि डीजल अक्सर सस्ता होता है। सोशल मीडिया पर यह सवाल उठा था, और एक विशेषज्ञ ने इस बारे में डिटेल्स जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मैकेनिकल विशेषज्ञ रेबेका विलियम्स ने बताया कि भले ही डीजल इंजन किफायती होते हैं, कम कार्बन उत्सर्जित करते हैं और हाई टॉर्क देते हैं, जो किसी भी इंजन के लिए बेहतरीन खासियतें होती हैं। लेकिन फिर भी इनका इस्तेमाल मोटरसाइकिलों में नहीं किया जाता है। इसके बजाय, बाइक्स आम तौर पर पेट्रोल, गैसोलीन या इलेक्ट्रिक इंजन का इस्तेमाल करती हैं। इसका कारण काफी खास है।

स्पीड पर पड़ेगा फर्क

डीजल इंजन पेट्रोल या इलेक्ट्रिक इंजन की तुलना में भारी होते हैं। क्योंकि इनमें ज्यादा पुर्जे होते हैं। क्योंकि इन्हें ज्यादा ठंडा करने की जरूरत होती है। यह अतिरिक्त वजन मोटरसाइकिल को भारी और धीमी बना देता है। मोटरसाइकिलें आम तौर पर स्पीड के लिए हल्की बनाई जाती हैं। जो डीजल इंजनों को इसके लिए अनफिट बनाती हैं।

होती हैं महंगी

इसके अलावा, डीजल इंजनों की कीमत पेट्रोल या इलेक्ट्रिक इंजनों की तुलना में ज्यादा होती है। क्योंकि इन्हें बनाने के लिए ज्यादा सामग्री और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी की जरूरत पड़ती है। उन्हें ज्यादा रखरखाव और मरम्मत की भी आवश्यकता होती है, जो बाइक की लागत को बढ़ा सकती है।

करती हैं शोर

डीजल इंजन पेट्रोल या इलेक्ट्रिक इंजनों की तुलना में ज्यादा शोर करते हैं। क्योंकि ये ज्यादा वाइब्रेशन और कंब्शन का शोर पैदा करते हैं। यह तेज आवाज राइडर और आस-पास के पैदल चलने वालों दोनों के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। खासकर उन शहरों में जहां पहले से ही ध्वनि प्रदूषण एक समस्या है। बाइक्स आमतौर पर शांति से चलने के लिए बनाई जाती हैं।

कम एनर्जी

इसके अलावा, डीजल इंजन पेट्रोल या इलेक्ट्रिक इंजनों की तुलना में कम एनर्जी पैदा करते हैं, जिसके कारण इनमें कम RPM मिलता है। इन समस्याओं को रोकने के लिए, निर्माता मोटरसाइकिलों में पेट्रोल, गैसोलीन या इलेक्ट्रिक इंजन का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

आया था एक मॉडल

1990 के दशक में, न्यूनतम प्रतिस्पर्धा के बावजूद, रॉयल एनफील्ड इस विशिष्ट बाजार में लीडर के रूप में उभरा। अपने दबदबे को मजबूत करने के लिए, कंपनी ने 1993 में एक डीजल इंजन से लैस टॉरस को लॉन्च किया।

बंद करना पड़ा उत्पादन

2000 तक, रॉयल एनफील्ड ने टॉरस का उत्पादन बंद करने का फैसला किया। उस समय लगभग 65,000 रुपये की कीमत पर, इस मोटरसाइकिल की अच्छी-खासी बिक्री होती थी। लेकिन बाजार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए संघर्ष करती रही। यह काफी हद तक उत्सर्जन को लेकर चिंताओं और इसके डीजल इंजन के साथ आने वाली मेंटेनेंस की चुनौतियों के कारण हुआ।

मार्क जुकरबर्ग ने खरीदा 118-मीटर का मेगायाट? जानें डिटेल्स जो अब तक आई सामने

दुनिया के अरबपतियों में मार्क जुकरबर्ग ने अपनी एक खास जगह बनाई है। वे मेटा प्लेटफॉर्म्स के सह-संस्थापक हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों में से एक है। वह एक लग्जरी लाइफ जीते हैं और करोड़ों डॉलर की खरीदारी करते हैं जो किसी को भी चौंका सकता है।

दुनिया के अरबपतियों में मार्क जुकरबर्ग ने अपनी एक खास जगह बनाई है। वे मेटा प्लेटफॉर्म्स के सह-संस्थापक हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों में से एक है। टेक्नोलॉजी के जानकार इस अरबपति का सार्वजनिक व्यक्तित्व और निजी जीवन एक आकर्षक कंट्रास्ट पेश करता है। वे ज्यादातर कैजुअल कपड़ों में देखे जाते हैं। लेकिन उनका पूरा ध्यान टेक्नोलॉजी पर होता है। जिससे इस बात का अंदाजा लगाना बहुत आसान नहीं होता कि वे बेशुमान धन के मालिक हैं। वह एक लग्जरी लाइफ जीते हैं और करोड़ों डॉलर की खरीदारी करते हैं जो किसी को भी चौंका सकता है।

हाल ही में, मार्क जुकरबर्ग द्वारा 118-मीटर की Mega Yacht (मेगायाट) खरीदने की संभावना के बारे में अटकलें लगाई गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मार्क जुकरबर्ग फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल में इस समय रखे गए मेगायाट Launchpad (लॉन्चपैड) के नए मालिक हो सकते हैं।

यह अटकलें उस समय और तेज हो गईं, जब खबरें सामने आईं कि जुकरबर्ग ने नीदरलैंड्स में Feadship के शिपयार्ड का दौरा किया था। और संभवतः अमेजन के मालिक जेफ बेजोस के असाधारण जहाज के जैसा एक मेगायाट खरीदा है। 118 मीटर लंबा यह जहाज, जिसे 'लॉन्चपैड' के नाम से जाना जाता है, ने हाल ही में जिब्राल्टर से सेंट मार्टेन तक अपनी पहली यात्रा की। बताया जाता है कि यह जहाज जेफ बेजोस के प्रसिद्ध सुपरयाट, कोरू से नौ मीटर छोटा है।

हालांकि, एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि लेन-देन के डिटेल्स की पुष्टि नहीं हो सकी। क्योंकि नौका जगत के अंदरूनी सूत्र किसी भी जानकारी को उजागर करने के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। मार्क जुकरबर्ग द्वारा सुपरयाट Ulysses के स्वामित्व के बारे में पहले की रिपोर्टों के खारिज होने के बावजूद, लॉन्चपैड के बारे में चर्चा बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज के निर्माता Feadship ने नौका के ओनरशिप, लागत या डिलिवरी डिटेल्स के बारे में कोई भी जानकारी कभी नहीं देने की अपनी मानक नीति का पालन किया। यह नीति जहाज के साइज या ऐतिहासिक महत्व की परवाह किए बिना लागू होती है, जो कंपनी की विवेकाधिकार के प्रति वादे पर जोर देती है।

जहाज के निर्माता, Feadship ने आगे कहा, रचाहे वह 1960 के दशक से 18-मीटर का Feadship हो या 21वीं सदी का 118-मीटर का Feadship, हम निजी जानकारी साझा नहीं करते हैं।

इससे पहले, खबर थी कि टेक दिग्गज ने नीदरलैंड्स में Feadship के शिपयार्ड का दौरा किया था। eSysman Superyachts और Auto Evolution जैसे यॉटिंग ब्लॉगर्स और उत्साही लोगों ने अनुमान लगाया कि उन्होंने मूल रूप से प्रतिबंधित रूसी व्यापारी के लिए बनाई गई नौका को पिछले साल मार्च में आधिकारिक रूप से 300 मिलियन डॉलर (लगभग 25 अरब रुपये) की कीमत पर खरीदा था।

टॉप बॉलीवुड हस्तियां जो हैं इलेक्ट्रिक वाहन के मालिक, कीमत है करोड़ों में

पिछले कुछ वर्षों में, दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। यहां तक कि भारत सरकार ने भी इसे काफी बढ़ावा दिया है, जिसकी वजह से ICE (इंटरनल कंब्शन इंजन) मॉडल से EV (इलेक्ट्रिक व्हीकल) मॉडल की ओर बड़े पैमाने पर रुझान देखा गया है। यह बदलाव बॉलीवुड में भी देखने को मिला है। क्योंकि ज्यादातर हस्तियों को ईंधन से चलने वाली कारों को छोड़कर पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कारों को अपनाते देखा गया है।

कुछ अभिनेताओं को महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ सड़क पर घूमते देखा गया। जबकि कुछ को कम बजट वाली टेक्नोलॉजी से लैस इलेक्ट्रिक कारों के साथ देखा गया। यहां हम आपको बॉलीवुड की कुछ टॉप हस्तियों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे हैं।

शाहरुख खान

जब कभी आलीशान संपत्तियों या महंगी कारों के कलेक्शन की बात होती है, तो बॉलीवुड के किंग खान का नाम हमेशा सूची में सबसे ऊपर होता है। इस समय में, अभिनेता के पास करोड़ों का गैरेज है। जिसे हाल ही में ह्यूंदै की सबसे एडवांस्ड इलेक्ट्रिक कार Ionic 5 (आयोनिक 5) ने और भी शानदार बना दिया है।

डंकी फिल्म के अभिनेता 1998 से ही ब्रांड का प्रचार कर रहे हैं। इसलिए कंपनी ने उन्हें 1,100वीं इलेक्ट्रिक वाहन यूनिट तोहफे में दी थी। ह्यूंदै आयोनिक 5 इलेक्ट्रिक कार की कीमत लाखों में है।

रेखा

दिग्गज अभिनेत्री रेखा कभी भी स्टाइल और फैशन से बाहर नहीं होती हैं। उन्होंने अपने शानदार गैरेज का विस्तार एक आकर्षक BMW i7 को शामिल करके किया है। इस इलेक्ट्रिक सेडान की शुरुआती कीमत करोड़ों में है।

यह मॉडल 101.7 kWh बैटरी सेटअप के साथ आता है। जो अधिकतम 536.4 - 650.39 bhp के बीच पावर जनरेट करता है। यह एक बार चार्ज करने पर लगभग 625 किमी का दमदार रेंज देता है।

इब्राहिम अली

अभिनेता सैफ अली खान के बेटे और उभरते बॉलीवुड अभिनेता इब्राहिम अली खान को भी कई बार मुंबई में ईवी ड्राइव का आनंद लेते हुए देखा गया है। वे अक्सर अपनी BMW iX में घूमते हुए नजर आते हैं, जिसकी कीमत करोड़ों में है।

इस इलेक्ट्रिक वाहन में एक दमदार बैटरी सेटअप दिया गया है। जो इसे अधिकतम 321.84bhp का पावर और 630Nm का पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है।

शांति - सद्भाव, मेल - मिलाप एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं रंग और ग़ुलाल का त्यौहार

वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट ने इस अवसर पर सभी जनपद वासियों को होली एवं माहे रमजान की अग्रिम शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए सभी से अपील की कि एक दूसरे की पसंद को ध्यान में रखते हुए प्रेम - सौहार्द, शांति एवं भाईचारे के साथ होली और रमजान मनाएं और होली, रमजान के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन न करें।

वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा

वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट

इस साल होली सोमवार 25 मार्च को खेली जाएगी, जबकि होलिका दहन रविवार 24 मार्च को मनाया जाएगा। यह पर्व एक सामाजिक समरसता का पर्व है, और इस बार होली, रमजान साथ - साथ हैं, उसके बाद आने वाले दिनों में गुड फ्राइडे, ईद, बैसाखी, डॉ अम्बेडकर जयंती, नवरात्र, राम नवमी, महावीर जयंती इत्यादि मत्वपूर्ण त्यौहार भी हैं तथा आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता भी लागु हो चुकी हैं। इसलिए राष्ट्रहित में सभी त्यौहार पर आपसी सौहार्द और शांति बनाएं रखें।

इस सन्दर्भ में सभी संभ्रांत देशवासियों से अपील करते हुए लोकप्रिय एवं सुप्रशिद्ध वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा ने कहा कि रमजान और होली का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना बहुत जरूरी हैं। होली के पर्व पर ऐसा कोई कार्य ना किया करें जिससे किसी की स्वतंत्रता को आघात हो,क्योंकि होली का पर्व एक सामाजिक समरसता का पर्व है। इस पर्व को सभी व्यक्ति अपने पारस्परिक भेदभाव, शत्रुता, मत, पंत, जाति बुलाकर शांति - सद्भाव, मेल - मिलाप एवं आपसी भाईचारे के साथ स्नेह के साथ रंग और ग़ुलाल का त्यौहार मनाएं। जनपद आगरा का इतिहास हमेशा से अच्छा रहा है। इस परंपरा और यहां की संस्कृति एवं गंगा जमुनी तहजीब को अछून्य बनाए रखना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। सभी लोग संयम, मानवता, संवेदनशीलता, शालीनता, प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का पालन करते हुए धार्मिक भावनाओं को आहत किए बगैर तोहार को शांति के साथ मनाएं। सभी संभ्रांत लोगों से अपील हैं कि त्योहारों के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन न करें। अपने आसपास के युवाओं के साथ बैठकर उन्हें नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से परिचित कराएं की होली पर्व एवं माहे रमजान के दृष्टिगत होने वाले आयोजन के दौरान किसी प्रकार के मादक पदार्थों का प्रयोग ना करें। आगामी त्योहारों को आपस में मिलजुल कर मनाएं। होलिका परंपरागत ढंग से जलाएं। बिना अनुमति के डीजे ना बजाएं तथा नशा करके वाहन ना चलाएं। कपड़ा फाड़ व कीचड़ से होली ना खेलें। बल्कि रंग व गुलाल से होली का त्यौहार मनाएं। ध्यान रहें जो होली ना खेले उसे जबरन रंग ना लगाएं। किसी भी प्रकार की अभद्रता व हुड़दंग ना करें। शहर की फिजा किसी प्रकार से दूषित ना हो इन सभी बातों का विशेष ध्यान हम सभी त्योहारों के दौरान रहें तथा होली के लिए जबरन चंदा वसूली ना की जाएं। त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखें। हमारा सभी से आग्रह हैं कि सोशल मीडिया पर भ्रामक व मतभेद उत्पन्न करने वाली पोस्ट ना डालें और नाहीं इस प्रकार की पोस्टों को लाइक एवं फॉरवर्ड ना करें तथा हम सब में भाईचारे की भावना प्रगाढ़ में बृद्धि हो क्योकि आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण त्यौहार साथ - साथ हैं, इसलिए त्यौहार पर आपसी सौहार्द और शांति बनाएं रखें। इसी विचार के साथ सभी देशवासियों को होली, रमजान एवं ईद की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

वरिष्ठ समाजसेवी अरविन्द पुष्कर एडवोकेट ने इस अवसर पर सभी जनपद वासियों को होली एवं माहे रमजान की अग्रिम शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए सभी से अपील की कि एक दूसरे की पसंद को ध्यान में रखते हुए प्रेम - सौहार्द, शांति एवं भाईचारे के साथ होली और रमजान मनाएं और होली, रमजान के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन न करें। लोभ - मोह और क्रोध पर रंग डालें तथा होली के त्यौहार को मिलजुलकर शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। आगामी त्यौहार सभी समुदाय के लोग आपस में शांति एवं सौहार्द के साथ मनाएं। त्योहारों पर ऐसा कोई काम ना करें जिससे दूसरे लोगों को परेशानी हो, इस वार होली और रमजान का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से शांति एवं धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं। आचार संहिता के मद्देनजर इस वार आम जनमानस को संदेश दिया जाए कि त्योहारों के अवसर पर एक दूसरे की भावनाओं का आदर करते हुए संयम के साथ त्यौहार मनाए। आज के दौर में होली जैसे त्यौहार पर कुछ लोग शराब का नशा करके माहौल को खराब करते हैं। ऐसा करना गलत है। हम सभी की पहल से इस बार जनपद में एक संदेश प्रसारित हो के त्योहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल सके। योगीजी, शासन और प्रशासन की मंशा है कि शांति और सद्भाव के साथ बिना किसी भेदभाव के सभी लोग मिल जुलकर त्यौहार बनाएं ताकि शांति के माहौल में जनपद, प्रदेश और देश विकास के पथ पर अग्रसर रहें। इसलिए त्यौहार मिलजुलकर मनाना चाहिए। क्योकि होली का त्यौहार अत्यधिक धार्मिक दृष्टि से महत्व रखता है। सामाजिक तौर पर होली एकता, भाईचारे का और प्रेम का प्रतीक है। यह त्यौहार बोरियत की जंजीरों को उड़ता है। नए मौसम नई चुनौतियों के लिए व्यक्ति को तैयार करता है। शरीर में नई ऊर्जा का संचार करता है। सुस्त मन और शरीर को फिर से जीवित करता है। धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से हमें पुनः ऊर्जावान बनाता है। हंसी खुशी का यह त्योहार सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। होली के त्यौहार को सभी अच्छे से बनाएं। इस मौसम में स्वास्थ संबंधी समस्याओं की बाढ़ रहती है। इसलिए खान-पान का ध्यान भी रखें। जैसा कि हम सब जानते हैं कि होली पर घर-घर व्यंजन बनते हैं। बाजारों में भी तरह-तरह की गुझिया व मिठाइयां बनने का कार्य हप्तों पहले से शुरू हो जाता है। इसी में मिलावटखोर भी सक्रिय रहते हैं। ऐसे में खरीदारी के समय होशियार रहें। कहीं ऐसा न हो कि यह चमकदार गुझिया और मिठाई आपकी सेहत खराब कर दें और साथ ही होली खेलते समय विशेष ध्यान रखे केमिकल मिले रंगों से होली ना खेलें। वहीं, त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए रंगों का प्रयोग भी कम करें। सभी स्वस्थ रहें। सभी खुश रहें। इसी कामना के साथ सभी को होली एवं ईद की हार्दिक शुभकामनाएं।

संपादक की कलम से

चंद्रयान-3 फिर आया सुर्खियों में, आ गई एक और गुड न्यूज,जाने

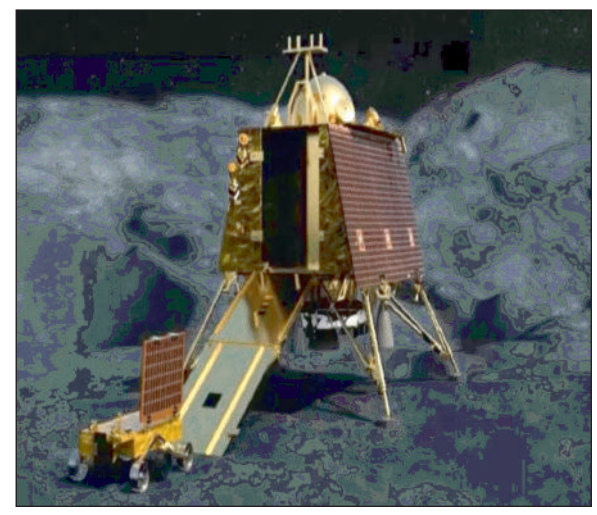

पिछले साल इसरो ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग करवाकर इतिहास रच दिया था। भारत दुनिया का पहला देश बन गया था, जोकि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा। इसके बाद पूरी दुनिया से भारतीय वैज्ञानिकों को बधाई संदेश मिले थे। पीएम मोदी ने भी इसरो सेंटर जाकर चंद्रयान-3 प्रोजेक्ट में शामिल रहे वैज्ञानिकों से मुलाकात की थी। वहीं, जिस जगह पर चंद्रयान-3 लैंड हुआ था, उस जगह का नाम शिव शक्ति प्वाइंट रख दिया था। अब इसको लेकर एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दरअसल, इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन ने 19 मार्च को शिव शक्ति नाम को अप्रूव कर दिया है। यानी कि अब आधिकारिक रूप से वह जगह जहां पर चंद्रयान-3 उतरा, उसे शिव शक्ति प्वाइंट से दुनियाभर में पहचाना जाएगा। ग्रहों के नामकरण के गैजेटियर के मुताबिक, "ग्रहीय सिस्टम नामकरण के लिए आईएयू वर्किंग ग्रुप ने चंद्रयान -3 के विक्रम लैंडर की लैंडिंग साइट के लिए शिव शक्ति नाम को मंजूरी दे दी है।" किसी भी खास जगह के नामकरण करने की ही तरह, ग्रहों की किसी जगह को विशेष रूप से पहचानने के लिए उसका नामकरण किया जाता है। इससे भविष्य में उस जगह का आसानी से पता लगाया जा सके और उस पर लोग चर्चा कर सकें। बता दें कि 23 अगस्त 2023 को चांद पर सफल लैंडिंग के तीन दिनों बाद बेंगलुरु में पीएम मोदी ने इसरो सेंटर पर इस नाम की घोषणा की थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि चंद्रयान-3 लैंडिंग वाली जगह का नाम शिव शक्ति होगा, जबकि जहां पर 2019 में चंद्रयान-2 क्रैश होकर लैंड किया था, उसे तिरंगा नाम दिया गया है। इसके अलावा, 23 अगस्त को ही हर वर्ष नेशनल स्पेस डे मनाए जाने का भी ऐलान किया गया।

पीएम मोदी बेंगलुरु में इसरो वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए भावुक भी हो गए थे। उन्होंने कहा था, "मैं जल्द से जल्द आपके दर्शन करना चाहता था और आपको सलाम करना चाहता था। आपके प्रयासों को सलाम।" प्रधानमंत्री ने इसरो के वैज्ञानिकों से कहा था कि मैं एक अलग ही खुशी महसूस कर रहा हूं, ऐसे मौके बहुत कम आते हैं। मैं दक्षिण अफ्रीका में था लेकिन मेरा मन पूरी तरह से आपके साथ ही लगा हुआ था।

ज्ञान

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने भी माना भारत का लोहा

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF)ने भी भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत की तारीफ की है। उसका कहना है कि भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है और निवेशकों ने यहां पैसा बनाया है। उसने इसका श्रेय दिवालिया कानून और कराधान संहिता (टैक्स कोड) जैसे नीतिगत बदलावों और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) द्वारा तैयार किए गए मंच को दिया है।

नईदिल्ली: दिवालिया कानून और कराधान संहिता (टैक्स कोड) जैसे नीतिगत बदलावों और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) द्वारा तैयार की गई पृष्टभूमि ने भारत ने वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना दिया है। विश्व आर्थिक मंच (WEF) में वित्तीय और मौद्रिक प्रणाली केंद्र के प्रमुख मैथ्यू ब्लेक ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है और निवेशकों ने यहां पैसा बनाया है। हालांकि ब्लेक ने यह भी कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव की संभावना बनी रहती है, इसलिए निवेशकों को जागरूक करने की जरूरत है। ब्लेक ने कहा कि WEF और कैंब्रिज सेंटर फॉर अल्टरनेटिव फाइनेंस द्वारा फिनटेक सीईओ के बीच किए गए एक सर्वे से पता चलता है कि 70 प्रतिशत कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को एक बड़ी ताकत मानती हैं और इसे उत्पादों और सेवाओं के अनुसार प्रयोग किया जा सकता है। ब्लेक ने कहा कि जोखिम प्रबंधन के संदर्भ में AI मददगार हो सकती है और उसे प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुरूप ढालने की जरूरत है।

जनवरी में जारी 'द फ्यूचर आफ ग्लोबल फिनटेकः टुवर्ड्स रेजिलिएंट एंड इनक्लूसिव ग्रोथ' पर WEF-कैंब्रिज रिपोर्ट में पाया गया था कि अधिकांश वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने नियामक माहौल के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखती हैं।

अपील - होली, रमजान के दौरान चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न करें : वरिष्ठ समाजसेवी पंकज जैन

आगरा। हमारा भारत त्योहारों का देश है,और हर त्यौहार हमें भाईचारा व एकता का संदेश देता है। इसलिए हर त्यौहार को शांति व भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। इस साल होली सोमवार 25 मार्च को खेली जाएगी, जबकि होलिका दहन रविवार 24 मार्च को मनाया जाएगा। वही, इस बार होली और माहे रमजान का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से शांति एवं धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं और राष्ट्रहित में सर्व समाज की सहभागिता बेहद जरूरी हैं।

राष्ट्रहित में सभी संभ्रांत देशवासियों से अपील करते हुए इस सन्दर्भ में वरिष्ठ समाजसेवी पंकज जैन ने कहा कि पावन होली का पर्व एक सामाजिक समरसता का पर्व है और होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और कहा जाता है कि इससे समृद्धि और खुशियाँ आती हैं और सभी नकारात्मकता और बीमारियाँ नष्ट हो जाती हैं। होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रमाण देता है। अच्छाई की जीत सदैव हुई है और आगे भी होती रहेगी। इस बार होली, रमजान साथ - साथ हैं, उसके बाद आने वाले दिनों में गुड फ्राइडे ईद, बैसाखी, डॉ अम्बेडकर जयंती, नवरात्र, राम नवमी, महावीर जयंती इत्यादि मत्वपूर्ण त्यौहार भी हैं तथा आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता भी लागु हो चुकी हैं। इसलिए राष्ट्रहित में सभी त्यौहार पर आपसी सौहार्द और शांति बनाएं रखें। त्योहारों पर ऐसा कोई काम ना करें जिससे दूसरे लोगों को परेशानी हो, यदि अचार संहिता को लेकर किसी को कोई समस्या है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस वार होली और रमजान का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से शांति एवं धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं और राष्ट्रहित में सर्व समाज की सहभागिता बेहद जरूरी हैं। इसलिए सभी देशवाशी स्वस्थ्य मन, शांति एवं आपसी मेल - मिलाप के साथ त्यौहार का आनन्द उठाएं और कोई भी कार्य परम्परा से हट कर ना करें।

त्योहारों के अवसर पर सभी संभ्रांत लोगों से अपील हैं कि त्योहारों के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन न करें। अपने आसपास के युवाओं के साथ बैठकर उन्हें नैतिक एवं मानवीय मूल्यों से परिचित कराएं की होली पर्व एवं माहे रमजान के दृष्टिगत होने वाले आयोजन के दौरान किसी प्रकार के मादक पदार्थों का प्रयोग ना करें। आगामी त्योहारों को आपस में मिलजुल कर मनाएं। ध्यान रहें जो होली ना खेले उसे जबरन रंग ना लगाएं। किसी भी प्रकार की अभद्रता व हुड़दंग ना करें। शहर की फिजा किसी प्रकार से दूषित ना हो इन सभी बातों का विशेष ध्यान हम सभी त्योहारों के दौरान रहें तथा त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखें। इस बार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान नहीं दे, सोशल मीडिया पर पुलिस की सीधी नजर है। इसलिए सोशल मीडिया पर कोई भी सांप्रदायिक और भड़काऊ पोस्ट को बिल्कुल भी शेयर या पोस्ट ना करें। किसी पोस्ट को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांच लें। हमारा सभी से आग्रह हैं कि सोशल मीडिया पर भ्रामक व मतभेद उत्पन्न करने वाली पोस्ट ना डालें और नाहीं इस प्रकार की पोस्टों को लाइक एवं फॉरवर्ड ना करें।

श्री जैन ने सभी से अपील करते हुए कहा कि यदि अचार संहिता को लेकर किसी को कोई समस्या है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। शराब समेत मादक पदार्थों का सेवन त्योहारों में बिल्कुल ना करें। वहीं, इस वार लोकसभा चुनावों एवं महत्वपूर्ण त्योहारों के चलते सभी संवेदनशील एवम अति संवेदनशील स्थान को चिन्हित किया गया है, जिस पर पुलिस - प्रशासन की विशेष नज़र हैं और किसी प्रकार की भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर भी प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। आगामी होली त्यौहार को शांति एवं सदभावपूर्ण तरीके से मानने को लेकर उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बार होली के साथ माहे रमजान का भी पवित्र महीना चल रहा है, इसका भी सभी लोग होली के दौरान ख्याल रखें ताकि होली को लेकर किसी दूसरे की भावनाएं आहत न हो। लोगों को आचार संहिता के बारे में जानकारी देते हुए इस दौरान उन्होंने बताया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियां कायम करना और गैर कानूनी होने पर विधि सम्मत कार्यवाही हो सकती हैं। आगामी होली त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मानने को लेकर लोगों से अपील करते हुए कहा एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने - अपने मौहल्ला कस्बे के लोगों को लोकसभा चुनाव में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए जागरूक करना चाहिए।

उन्होंने कि राष्ट्रहित में सर्व समाज की सहभागिता बेहद जरूरी हैं। इसलिए सभी देशवाशी स्वस्थ्य मन, शांति एवं आपसी मेल - मिलाप के साथ त्यौहार का आनन्द उठाएं और कोई भी कार्य परम्परा से हट कर ना करें तथा सभी की धार्मिक परंपराओं और आस्था का पूरा सम्मान करें। इस वार महत्वपूर्ण पर्व- त्योहारों के कारण अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आदि लगेंगे लेकिन उल्लास और उमंग के बीच कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत यह समय संवेदनशील है। हम सभी को त्योहारों पर शरारती तत्वों से सतत सतर्क-सावधान रहना होगा। किसी भी समाज का त्यौहार हम सब के लिए एक हैं,चाहें वो किसी भी धर्म या मजहब का हों। रमजान और होली का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना बहुत जरूरी हैं। होली सभी के जीवन में रंगों और प्रेम की बहार लेकर आये। सभी लोग त्योहार को शांति पूर्ण ढंग से मनाए। होली मे रंग डालते समय इतना ध्यान रखे, ऐसे व्यक्ति पर रंग न डाले जो परहेज करता हो। त्योहार का आंनद ले, किसी को आपके व्यवहार से तकलीफ न पहुंचे इसका विशेष रुप से ध्यान रखे और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर आपस में ना उलझें, उसकी सुचना तत्काल पुलिस को दें। योगीजी, शासन और प्रशासन की मंशा है कि शांति और सद्भाव के साथ बिना किसी भेदभाव के सभी लोग मिल जुलकर तोहार बनाएं ताकि शांति के माहौल में जनपद, प्रदेश और देश विकास के पथ पर अग्रसर रहें और हंसी खुशी का यह त्योहार सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। होली के त्यौहार को सभी अच्छे से बनाएं। इस मौसम में स्वास्थ संबंधी समस्याओं की बाढ़ रहती है। इसलिए खान-पान का ध्यान भी रखें तथा आँखों, त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए रंगों का प्रयोग भी कम करें। सभी स्वस्थ रहें। सभी खुश रहें। इसी कामना के साथ सभी को होली और ईद की हार्दिक शुभकामनाएं।

अपील - एक दूसरे की पसंद को ध्यान में रखते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं : वरिष्ठ समाजसेवी एवं फिल्म निर्माता सावन चौहान

पावन होली इस साल सोमवार 25 मार्च को खेली जाएगी, जबकि होलिका दहन रविवार 24 मार्च को होगा। वही, इस बार होली और माहे रमजान का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से शांति एवं धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी हैं और राष्ट्रहित में सर्व समाज की सहभागिता बेहद जरूरी हैं।

इस अवसर पर सभी संभ्रांत देशवासियों से अपील करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी एवं फ़िल्मि निर्माता सावन चौहान ने कहा कि माहे रमजान और होली का पर्व एक साथ पड़ने की बजह से धार्मिक सद्भाव बनाएं रखना बहुत जरूरी हैं। होली के पर्व पर ऐसा कोई कार्य ना किया करें जिससे किसी की स्वतंत्रता को आघात हो। इस पर्व को सभी व्यक्ति अपने पारस्परिक भेदभाव, शत्रुता, मत, पंत, जाति बुलाकर शांति - सद्भाव, मेल - मिलाप एवं आपसी भाईचारे के साथ स्नेह के साथ रंग और ग़ुलाल का त्यौहार मनाएं। सभी लोग संयम, मानवता, संवेदनशीलता, शालीनता, प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का पालन करते हुए धार्मिक भावनाओं को आहत किए बगैर तोहार को शांति के साथ मनाएं। जनपद आगरा का इतिहास हमेशा से अच्छा रहा है। इस परंपरा और यहां की संस्कृति एवं गंगा जमुनी तहजीब को अछून्य बनाए रखना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। रंगों का त्यौहार होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। आपस में गिले शिकवे भुला कर एक दूसरे को गले लगाने का त्योहार होली है, लेकिन इस बार आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण लोकसभा क्षेत्र में पूर्णता धारा 144 लागू रहेगी, जिसका पालन करना हर जिम्मेदार नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। इसलिए प्रेम - सौहार्द, मेल - मिलाप, शांति - सद्भाव एवं आपसी भाईचारे के साथ एक दूसरे की पसंद को ध्यान में रखते हुए त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। होली और माहे रमजान के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन न करें। होली रमजान एवं लोकसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा की होली के साथ-साथ माहे रमजान का पवित्र महीना भी चल रहा है, उसका भी सभी को आदर करना चाहिए क्योंकि त्योहारों का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना होता है, इसके साथ - साथ हमारे जीवन में एक नया उत्साह और उमंग भी भरना है। इसलिए दोनों ही त्योहारों में किसी की धार्मिक भावना को ठेस नहीं पहुंचना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए। अगर किसी को कोई परेशानी आती है तो पुलिस को अवगत कराएं। समस्या का समाधान किया जा सके। क्योकि दोनों त्यौहार आपसी भाईचारे का संदेश लेकर आते हैं। इसलिए सभी को शांतिपूर्वक सभी त्यौहारों को मनाना चाहिए। त्योहारों पर किसी प्रकार का उपद्रव आदि नहीं करना चाहिए, जिससे कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

श्री चौहान ने आगे कहा कि सामाजिक तौर पर यह तो आज एकता और भाईचारे का और प्रेम का प्रतीक है। यह त्यौहार बोरियत की जंजीरों को उड़ता है। नए मौसम नई चुनौतियों के लिए व्यक्ति को तैयार करता है। शरीर में नई ऊर्जा का संचार करता है। सुस्त मन और शरीर को फिर से जीवित करता है। धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से हमें पुनः ऊर्जावान बनाता है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि होली पर घर-घर व्यंजन बनते हैं। बाजारों में भी तरह-तरह की गुझिया व मिठाइयां बनने का कार्य हप्तों पहले से शुरू हो जाता है। इसी में मिलावटखोर भी सक्रिय रहते हैं। ऐसे में खरीदारी के समय होशियार रहें। कहीं ऐसा न हो कि यह चमकदार गुझिया और मिठाई आपकी सेहत खराब कर दें और साथ ही होली खेलते समय विशेष ध्यान रखे केमिकल मिले रंगों से होली ना खेलें। होली पर हर्बल रंगों का प्रयोग करें, होली पर कोई भी ऐसा रंग ना लगाएं, जिससे हमारे शरीर में कोई हानि हो। इसीलिए हमें गुलाल से होली खेलनी चाहिए और शांति पूर्वक अपने त्योहारों को मनाना चाहिए। वहीं, आम जनमानस को संदेश दिया जाए कि त्योहारों के अवसर पर एक दूसरे की भावनाओं का आदर करते हुए संयम के साथ त्यौहार मनाए। जनपद में एक संदेश प्रसारित हो के त्योहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल सके। त्योहारों पर किसी प्रकार का उपद्रव आदि नहीं करना चाहिए, जिससे कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, होली के त्यौहार को सभी अच्छे से बनाएं।

हंसी खुशी का यह त्योहार सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। खान-पान का ध्यान भी रखें तथा आँखों, त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए रंगों का प्रयोग भी कम करें। सभी स्वस्थ रहें। सभी खुश रहें। इसी कामना के साथ सभी को होली और ईद की हार्दिक शुभकामनाएं।

इस हफ्ते आने वाले हैं ये IPO, निवेश करने से पहले जान लीजिए पूरा हिसाब-किताब

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए आईपीओ अच्छा रिटर्न कमाने वाले मौके के रूप में आते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपको कंपनियों की पूरी डिटेल पता हो। सोमवार से शुरू हो रहे हफ्ते में दो कंपनियों- चाथा फूड्स और विश्वास एग्री फूड्स के आईपीओ आने वाले हैं। आइए इनकी पूरी डिटेल जानते हैं कि ये कंपनियां क्या करती हैं और इनका आईपीओ कब खुलेगा।

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों से हर हफ्ते कंपनियां अपना IPO ला रही हैं। इस बार भी सोमवार यानी 18 मार्च से शुरू होने वाले हफ्ते में दो कंपनियों के IPO आ रहे हैं। आइए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं।

चाथा फूड्स (Chatha Foods) के आईपीओ को निवेशक 19 मार्च से 21 मार्च तक सब्सक्राइब कर सकते हैं। यह एक फ्रोजन फूड प्रोसेसर है। चाथा फूड्स होरेका सेगमेंट (HoReCa segment) यानी होटल, रेस्तरां और कैफे/कैटरिंग की डोमिनोज, सबवे, कैफे कॉफी डे और वोक एक्सप्रेस जैसी दिग्गज कंपनियों को सर्विस देता है।

चाथा फूड्स का इश्यू पूरी तरह से 59.62 लाख शेयरों की फ्रेश इक्विटी बिक्री है। कंपनी का आईपीओ के जरिए 34 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। प्राइस बैंड 53-56 रुपये के बीच है। निवेशक एक लॉट में 2000 शेयरों के लिए और फिर मल्टीपल में कई शेयरों में बिड लगा सकते हैं।

अगले हफ्ते तीन ही दिन खुलेगा शेयर मार्केट, जानें कैसा रहेगा बाजार का मिजाज

परिवहन विशेष न्यूज

शेयर मार्केट के जानकारों का कहना है कि अगले हफ्ते बाजार में थोड़ी-बहुत हलचल दिख सकती है। निवेशकों की नजर खासकर अमेरिका के जीडीपी डेटा पर रहेगी। अगर इसमें कोई बड़ा फेरबदल होता है तो उसका भारतीय बाजार पर असर दिख सकता है। पिछले हफ्ते अमेरिका और जापान जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में केंद्रीय ब्याज दरों पर मीटिंग होनी थी जिसका शेयर बाजार पर असर दिखा था।

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते अमेरिका और जापान जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में केंद्रीय ब्याज दरों पर मीटिंग होनी थी। इस वजह से भारतीय शेयर बाजार काफी सतर्क था।

लेकिन, अमेरिका ने मौजूदा कैलेंडर ईयर के लिए ग्रोथ अनुमान को बढ़ाया। साथ ही ब्याज दरों में भी कोई बदलाव नहीं किया। इससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। उन्होंने की खरीदारी के दम पर मार्केट 22 मार्च खत्म हुए सप्ताह में तेजी के साथ बंद हुआ।

अगर आने वाले हफ्ते की बात करें, तो एक्सपर्ट का कहना है कि भारतीय शेयर मार्केट में थोड़ी-बहुत उथलपुथल देखने को मिल सकती है। सबसे बड़ा फोकस रहेगा अमेरिका के जीडीपी डेटा पर। अगले हफ्ते पांच के बजाय तीन ही कारोबारी सत्र होंगे। 25 मार्च को होली और 29 मार्च को गुड फ्राइडे के मौके पर बाजार में कारोबार बंद रहेगा।

कम रह सकता है ट्रेड वॉल्यूम

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के रिसर्च हेड संतोष मीना ने कहा, 'होली और और गुड फ्राइडे के दिन बाजार बंद होने के कारण यह हफ्ता छोटा होगा। इसके चलते बाजार में ट्रेडिंग वॉल्यूम कम हो सकता है। हालांकि, अस्थिरता की आशंका बनी हुई है क्योंकि मार्च F&O (फ्यूचर एंड ऑप्शन्स) एक्सपायरी और फाइनेंशियल ईयर खत्म होने जैसे इवेंट हैं।'

ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में उतार-चढ़ाव और रुपये-डॉलर के रुझान पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

पिछले हफ्ते सेंसेक्स-निफ्टी में उछाल

पिछले कारोबारी सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत यानी 188.51 अंक बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी में 0.33 प्रतिशत यानी 73.4 अंकों का उछाल आया। आने वाले हफ्ते के बारे में एक्सपर्ट्स का मानना है कि निवेशकों की वैश्विक सूचकांकों, खासकर अमेरिकी बाजार पर रहेगी। उसी के हिसाब से वह अपने निवेश की प्लानिंग करेंगे।

क्या पेटीएम में बड़े पैमाने पर होने वाली है छंटनी? जानें क्या कहा पेमेंट कंपनी ने

पिछले कई दिनों से रिपोर्ट्स आ रही थीं कि पेटीएम में बड़े पैमाने पर छंटनी होने वाली है। इन सबके बीच कंपनी के एक बड़े पद से इस्तीफा भी हुआ। इससे छंटनी की रिपोर्ट्स को और भी बल मिला। लेकिन अब पेटीएम ने छंटनी की अटकलों पर स्पष्टीकरण (Paytms clarification on layoffs) दिया है। आइए जानते हैं पेटीएम ने छंटनी पर क्या कहा और उसके शेयरों का क्या हाल है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक (RBI) ने जब से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ एक्शन लिया है, तभी से पेटीएम (Paytm) के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच पेटीएम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा ने भी इस्तीफा दे दिया है। इससे पेटीएम से जुड़े सवाल और भी उलझ गए हैं।

यहां तक कि पेटीएम के कर्मचारियों को भी अपना भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है। पिछले कई दिनों से ऐसी रिपोर्ट्स भी आ रही हैं कि पेटीएम अपना पेमेंट्स बैंक बंद होने के बाद बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। हालांकि, पेटीएम ने लेऑफ (paytm layoff) से जुड़ी खबरों को निराधार बताते खारिज किया है।

छंटनी पर क्या कहा पेटीएम ने?

पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि छंटनी की रिपोर्ट्स बेबुनियाद हैं और उनसे कंपनी की रणनीतिक योजना की सही झलक नहीं मिलती। पेटीएम ने दावा किया कि वह फिलहाल एनुअल अप्रैजल के प्रोसेस में लगा है, जिसका मकसद एंप्लॉयी के परफॉरमेंस को जांचना और उसके आधार पर उन्हें इंक्रीमेंट देना है। यह कहीं से भी छंटनी का संकेत नहीं है।

'रिस्ट्रक्चरिंग को छंटनी समझा गया'

पेटीएम ने कहा कि वह परफॉरमेंस के आधार पर एडजस्टमेंट और रिस्ट्रक्चरिंग कर रही है, जिसे गलत तरीके से छंटनी का संकेत समझ लिया गया है। उसने यह भी कहा कि कंपनी अपनी वर्कफोर्स के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। उसका पूरा ध्यान देश में डिजिटल पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज की अगुआई करने पर है। वह इनोवेशन, कस्टमर सर्विस और टीम डेवलपमेंट के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वहीं, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (बिजनेस) प्रवीण शर्मा के इस्तीफे पर पेटीएम ने बताया कि वह गूगल में नई संभावनाओं की तलाश में गए हैं। प्रवीण शर्मा पहले भी 9 साल तक गूगल में लीडरशिप पोजिशन पर काम कर चुके हैं।

पेटीएम के शेयरों हाल

पिछले दिनों NCPI ने एक्सिस बैंक, HDFC बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और यस बैंक को पेटीएम के लिए पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर के तौर पर काम करने की मंजूरी दे दी। इससे पेटीएम और उसके कस्टमर को बड़ी राहत मिली। इसका असर कंपनी के शेयरों पर भी दिखा और उसमें अपर सर्किट भी लगे।

पेटीएम का मालिकाना हक रखने वाली One 97 Communications Ltd का शेयर शुक्रवार को 1.79 प्रतिशत यानी 7.35 रुपये गिरकर 403.50 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, पिछले पांच दिनों में इसमें 3.67 प्रतिशत यानी 14.30 रुपये की तेजी आई है। 21 मार्च को तो पेटीएम का शेयर 428 रुपये तक पहुंच गया था, लेकिन फिर मुनाफावसूली के चलते इसमें गिरावट आई।

पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि छंटनी की रिपोर्ट्स बेबुनियाद हैं और उनसे कंपनी की रणनीतिक योजना की सही झलक नहीं मिलती। पेटीएम ने दावा किया कि वह फिलहाल एनुअल अप्रैजल के प्रोसेस में लगा है, जिसका मकसद एंप्लॉयी के परफॉरमेंस को जांचना और उसके आधार पर उन्हें इंक्रीमेंट देना है। यह कहीं से भी छंटनी का संकेत नहीं है।

नौकरी बदलने से कई ईपीएफ अकाउंट हो गए हैं? जानिए सभी को मर्ज करने का आसान तरीका

अगर आप प्राइवेट सेक्टर में काम करते हैं और आपने कई नौकरियां बदली हैं तो इससे आपके कई EPF अकाउंट भी हो गए होंगे। कई अकाउंट होने से कंन्फ्यूजन होती है। आइए जानते हैं कि EPF अकाउंट को मर्ज करने का सबसे आसान प्रोसेस क्या है और इसे मर्ज नहीं करने की स्थिति में आपको क्या नुकसान हो सकता है।

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर में जॉब बदलना आम बात है। कभी बॉस से पटरी नहीं बैठती, तो कई बार अच्छी संभावनाओं के लिए लोग नौकरी बदल लेते हैं। लेकिन, नौकरी बदलने के बाद जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो वहां आपका नया EPF (Employees Provident Fund) अकाउंट खुल जाता है।

इससे कई बार लोगों को कंफ्यूजन हो जाती है कि जब पिछली कंपनी में EPF अकाउंट था, तो नया क्यों खुला? अब पिछले EPF अकाउंट का क्या होगा? दोनों अकाउंट को मर्ज किया जा सकता है या नहीं? आइए इन सभी सवालों का जवाब जानते हैं।

नया EPF अकाउंट क्यों खुलता है?

आप जब भी 20 या इससे अधिक कर्मचारियों वाली प्राइवेट कंपनी में काम करना शुरू करते हैं, तो कंपनी को आपका EPF अकाउंट खुलवाना होता है। इसमें कर्मचारी के आर्थिक भविष्य के लिए कर्मचारी और कंपनी, दोनों बराबर योगदान करते हैं।

पहली बार EPF अकाउंट खुलने पर आपको एंप्लॉयीज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (EPFO) से एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) मिलता है। आप जब भी नौकरी बदलते हैं, तो कंपनी आपका नया EPF अकाउंट खोल देती है, लेकिन UAN वही रहता है।

यही वजह है कि एक UAN के अंतर्गत कई EPF अकाउंट हो जाते हैं। आपका PF बैलेंस भी अलग-अलग दिखता है। जब तक आप अपने सभी अकाउंट को मर्ज नहीं करेंगे, यह अलग-अलग ही दिखेगा।

EPF अकाउंट मर्ज नहीं करने के नुकसान

अगर अपने सभी EPF अकाउंट को मर्ज करते हैं, तो UAN आपके पूरे वर्कएक्सपीरियंस को मिला देगा। मसलन, आपने तीन कंपनियों में 2-2 साल काम किया है, तो अकाउंट मर्ज करने बाद आपका टोटल एक्सपीरियंस हो जाएगा 6 साल। अगर आप अकाउंट मर्ज नहीं करते, तो यह चीज अलग-अलग काउंट होगी। इस सूरत में EPF अकाउंट से पैसे निकालने पर आपको 10-10 प्रतिशत का TDS (टैक्स डिडक्शन एट सोर्सेज) भी देना होगा।

कैसे मर्ज करें EPF अकाउंट?

अगर आप भी अपने सभी EPF अकाउंट को एक जगह मर्ज करना चाहते हैं, तो इसका प्रोसेस काफी आसान है।

https://www.epfindia.gov.in/ पर जाएं।

- सर्विसेज सेक्शन में For Employees पर क्लिक करें।

- One Employee - One EPF Account ऑप्शन चूज करें।

- नए पेज UAN, पासवर्ड और कैप्चा डालकर लॉग-इन करें।

- अगले पेज पर आपको पुराने EPF अकाउंट की डिटेल दिखेगी।

- फिर EPF अकाउंट नंबर डालकर सबमिट करें।

अब आपका EPF अकाउंट मर्ज करने का अनुरोध पूरा हो गया। आपकी मौजूदा कंपनी जैसी ही आपके आवेदन पर मुहर लगाएगी, EPFO आपके पुराने अकाउंट को नए अकाउंट में मर्ज कर देगा।

IIFL Finance और JM Financial का स्पेशल ऑडिट कराएगा RBI, दोनों NBFC के शेयरों पर क्या होगा असर?

पिछले दिनों आरबीआई को दो नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (NBFC)- IIFL फाइनेंस और जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स के कामकाज में गड़बड़ी मिली थी। अब केंद्रीय बैंक ने दोनों कंपनियों का स्पेशल ऑडिट कराने का फैसला किया है। आइए जानते हैं कि यह स्पेशल ऑडिट क्यों कराया जा रहा है और इसका दोनों NBFC के शेयर प्राइस पर क्या असर पड़ सकता है।

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक (RBI) ने IIFL फाइनेंस (IIFL Finance) और जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स (JM Financial Products) का स्पेशल ऑडिट कराने का फैसला किया है। केंद्रीय बैंक ने इन दोनों नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (NBFC) की जांच की थी, जिसमें उसे कई तरह की गड़बड़ियां मिलीं। उसने दोनों कंपनियों के कारोबार पर पाबंदियां भी लगाई हैं।

RBI ने स्पेशल ऑडिट के लिए जारी किया टेंडर

RBI ने दोनों NBFC का स्पेशल ऑडिट कराने का फैसला किया है। बैंकिंग रेगुलेटर ने इसके लिए ऑडिटर्स नियुक्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। उसने दोनों का स्पेशल ऑडिट करने के लिए अलग-अलग टेंडर जारी किए हैं।

जो भी ऑडिट फर्म सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (Sebi) के पास फोरेंसिक ऑडिट के लिए रजिस्टर्ड हैं, वे टेंडरिंग प्रोसेस में हिस्सा ले सकती हैं। रिजर्व बैंक के मुताबिक, टेंडर सबमिट करने की आखिरी तारीख 8 अप्रैल है। RBI सभी पैमानों पर खरी उतरने वाली ऑडिट फर्म को 12 अप्रैल को काम सौंपेगा।

IIFL फाइनेंस पर क्यों गिरी RBI की गाज

पिछले साल मार्च में RBI ने IIFL फाइनेंस की जांच की थी। उसने पाया कि लोन की मंजूरी और डिफॉल्ट पर नीलामी के वक्त सोने की शुद्धता और वजन की जांच में गंभीर खामियां हैं। लोन-टू-वैल्यू रेशियो का भी पालन नहीं हो रहा था। मतलब कि लिमिट से ज्यादा लोन का डिसबर्सल हो रहा था। कस्टमर के अकाउंट पर लगाए जाने वाले शुल्क में भी पारदर्शिता नहीं थी।

JM फाइनेंशियल के खिलाफ एक्शन क्यों?

RBI को जेएम फाइनेंशियल के कामकाज में बड़ी गड़बड़ियां मिली थीं। इसकी IPO फाइनेंसिंग और NCD (नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर) सब्सक्रिप्शन में चीजें नियमों के मुताबिक नहीं थी। केंद्रीय बैंक ने कंपनी के IPO और डिबेंचर्स सब्सक्रिप्शन के लिए फाइनेंसिंग करने पर रोक लगा दी थी। जेएम फाइनेंशियल को किसी भी नए पब्लिक डेट इश्यू के लिए मैनेजर के रूप में काम करने से भी रोक दिया गया है।

JM Financial और IIFL Finance के शेयर प्राइस

जेएम फाइनेंशियल के शेयर आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को 0.27 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 74.00 रुपये पर बंद हुआ। आरबीआई के एक्शन के बाद पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर करीब 27 प्रतिशत टूट चुके हैं।

IIFL Finance के शेयरों का हाल तो इससे भी बुरा है। यह आखिरी कारोबारी सत्र में 0.83 प्रतिशत गिरकर 333.50 रुपये पर बंद हुआ। लेकिन, पिछले एक महीने के दौरान इसमें 45.26 प्रतिशत यानी 275.75 रुपये की गिरावट आई है।

अब शेयर बाजार सोमवार को होली की छुट्टी के चलते बंद रहेगा। मंगलवार को कारोबारी सत्र शुरू होने पर दोनों NBFC के शेयरों पर आरबीआई के स्पेशल ऑडिट कराने के फैसले का असर दिख सकता है।

FPI का भारतीय बाजार पर बढ़ रहा भरोसा, मार्च में अब तक 38 हजार करोड़ रुपये का किया निवेश

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने मार्च में अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 38000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश किया है। ग्लोबल लेवल पर आर्थिक हालात में सुधार और घरेलू बाजार में अच्छी संभावनाओं से विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

नई दिल्ली : घरेलू मजबूत आर्थिक परिदृश्य के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) भारतीय इक्विटी बाजारों में एक बार फिर खरीदारी करने लगे हैं। यही कारण है कि मार्च में अब तक FPI इक्विटी बाजारों में करीब 38 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं।

इससे पहले फरवरी में FPI का शुद्ध निवेश सिर्फ 1,539 करोड़ रुपये था, जबकि जनवरी में FPI ने 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की थी। कैलेंडर वर्ष 2024 की बात करें तो FPI इक्विटी में अब तक 13,893 करोड़ रुपये और डेट बाजारों में 55,480 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं।

मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर हिमांशु श्रीवास्तव का कहना है कि वैश्विक आर्थिक हालातों में सुधार और सकारात्मक भारतीय आर्थिक परिदृश्य के चलते FPI ने मार्च में महत्वपूर्ण खरीदारी की है। इसके अलावा बाजारों की हालिया गिरावट ने भी खरीदारी के अवसर उपलब्ध कराए हैं।

शेयरों के अलावा एफपीआई ने इस महीने में 22 मार्च तक ऋण या बॉन्ड बाजार में 13,223 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट किया है। बॉन्ड मार्केट की बात करें, तो ब्लूमबर्ग ने अगले साल 31 जनवरी से भारतीय बॉन्ड को इमर्जिंग मार्केट (ईएम) लोकल करेंसी गवर्नमेंट इंडेक्स में शामिल करने की घोषणा की है।

वहीं, बाजार विश्लेषकों का कहना है कि अगले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर निर्भर करेगी। सोमवार को होली और शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवकाश के चलते इस सप्ताह बाजारों में तीन दिन ही कारोबार होगा।

1.97 लाख करोड़ घटा पांच कंपनियों का पूंजीकरण

बीते सप्ताह घरेलू बाजारों में रहे उतार-चढ़ाव से बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.97 लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई है। बीते सप्ताह टीसीएस के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 1.10 लाख करोड़ रुपये की कमी आई।

भ्रष्टाचार पर केजरीवाल का विरोध या गिरफ्तारी का समर्थन ? जानें

खुद अरविंद केजरीवाल ने अपनी और आम आदमी पार्टी की राजनीतिक जमीन कांग्रेस पर तरह-तरह के आरोप लगाकर ही बनाई थी। इस मामले में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा तक पर कई गंभीर आरोप लगाए थे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने पूरे विपक्ष को एकजुट कर दिया है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने इसे 'लोकतंत्र पर हमला' करार दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर कड़ा हमला बोला और इसे गलत बताया। इंडिया गठबंधन के एक सहयोगी दल के तौर पर राहुल गांधी और कांग्रेस की यह नीति सही हो सकती है, लेकिन कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि कांग्रेस इसी समय केजरीवाल पर जोरदार हमला कर अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने की कोशिश करती तो उसे इसका ज्यादा लाभ मिलता। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि कांग्रेस ने ज्यादा बड़े उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए केजरीवाल के समर्थन का निर्णय लिया, जबकि इसके पहले वह भी केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार का विरोध ही कर रही थी।

खुद अरविंद केजरीवाल ने अपनी और आम आदमी पार्टी की राजनीतिक जमीन कांग्रेस पर तरह-तरह के आरोप लगाकर ही बनाई थी। इस मामले में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा तक पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उस समय दिल्ली की मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता शीला दीक्षित पर भी उन्होंने बेहद गंभीर आरोप लगाए थे और सत्ता में आने पर उन्हें जेल भेजने तक की बात कही थी। केजरीवाल के इन आरोपों का यह असर हुआ था कि कांग्रेस ने दिल्ली-पंजाब में अपना कोर वोट गंवा दिया। कांग्रेस के मतदाता आम आदमी पार्टी के पास चले गए और वह इन दोनों राज्यों में एक विकल्प के तौर पर उभरी।

कांग्रेस नेता भी बंटे हुए

कांग्रेस को केजरीवाल का समर्थन करना चाहिए, या इस अवसर का उपयोग कर अपनी वापसी की कोशिश करनी चाहिए, इस पर कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता भी बंटे हुए हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ सीटों के समझौते तक में कई नेता खिलाफ थे। अजय माकन जैसे नेता लगातार इस पर अपना विरोध का रुख बनाए हुए थे। केजरीवाल के साथ जाने के मुद्दे पर पंजाब कांग्रेस नेताओं का विरोध तो इतना ज्यादा था कि पार्टी को राज्य में केजरीवाल के साथ कोई गठबंधन किए बिना ही चुनाव में जाना पड़ा।

'कड़े सबूत, साथ क्यों दे रही पार्टी'

पार्टी के एक नेता ने अमर उजाला से कहा कि इस समय अरविंद केजरीवाल की सच्चाई जनता के सामने आ चुकी है। शराब घोटाले में जांच एजेंसी के पास कितने ठोस सबूत हो सकते हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जांच एजेंसी से केजरीवाल के खिलाफ सबूत मंगा कर देखने के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से बचने का कोई रास्ता नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसे किसी नेता का साथ क्यों देना चाहिए? उनका कहना है कि इससे भाजपा को यह कहने का अवसर मिलता है कि कांग्रेस भ्रष्ट नेताओं के साथ खड़ी है। इससे स्वयं कांग्रेस पार्टी का ही पक्ष कमजोर होता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट नेताओं के साथ खड़े होने की छवि का नकारात्मक असर पार्टी पर पड़ सकता है।

'कांग्रेस के लिए बड़ा अवसर हो सकता था'

राजनीतिक विश्लेषक विवेक सिंह ने अमर उजाला से कहा कि राजनीति के खेल में जनता की भावनाओं और संवेदनाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की जाती है, लेकिन कोई राजनीतिक दल स्वयं इसका शिकार नहीं होता। वह अपनी पार्टी के राजनीतिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय करता है। इस दृष्टि से देखें तो कांग्रेस का निर्णय बहुत लाभकारी नहीं कहा जा सकता।

विवेक सिंह ने कहा कि कांग्रेस के लिए यह बेहतर अवसर हो सकता था कि वह स्वयं जनता के बीच जाती और यह बताने की कोशिश करती कि उस पर आरोप लगाकर सत्ता में पहुंचे लोगों की असलियत क्या है। इसके सहारे वह अपने पुराने वोट बैंक को साध पाती तो यह दिल्ली-पंजाब में उसकी वापसी का बड़ा रास्ता बन सकता था।

पंजाब कांग्रेस नेताओं का विरोध भी इसीलिए है क्योंकि वे जानते हैं कि केजरीवाल के साथ खड़े दिखकर वे अपनी राजनीतिक जमीन वापस नहीं पा सकते, उलटे यदि वे उनके साथ खड़े रहे तो अकाली दल और भाजपा जैसे राजनीतिक दलों के विरोध में जनता को आम आदमी पार्टी का विकल्प मिल सकता है। उनका मानना है कि कांग्रेस के लिए यह घाटे का सौदा हो सकता है।

'पुराने कोर वोटरों को साथ लाती तो बेहतर होता'

उन्होंने कहा कि संभवतः दिल्ली में कुछ सीटों पर बेहतर तालमेल से चुनाव जीतने की रणनीति में कांग्रेस नेतृत्व ने केजरीवाल के साथ जाने का निर्णय लिया है, लेकिन जिस तरह मुसलमान मतदाता उसके साथ पूरी तरह एकजुट है, यदि वह शराब घोटाले के मुद्दे का उपयोग कर अपने कोर वोटरों का एक वर्ग अपने साथ ला पाती तो यह उसके लिए ज्यादा लाभ का सौदा साबित होता। हालांकि, उन्होंने इस बात की संभावना से इनकार नहीं किया कि लोकसभा चुनाव के बाद दोनों राजनीतिक दल अलग हो जाएं और दिल्ली विधानसभा चुनाव में अलग-अलग दिखाई पड़ें।

'बड़े उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने अपनाई ये रणनीति'

वहीं, राजनीतिक विश्लेषक शांतनु गुप्ता की राय इससे अलग है। उनका मानना है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस के पास दो विकल्प थे। एक- वह अरविंद केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार का विरोध करती और इसका उसे दिल्ली में कुछ राजनीतिक लाभ मिलता। दूसरा, वह प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करे और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा-केंद्र सरकार को घेरे, इसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मामला बताए।

चुनाव चिन्ह ईंट

ईंट जोड़ जोड़ कर सबका घर बनाएंगे....
देश में खुशहाली लाएंगे....

राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी (RSP) से जुड़कर देश के विकास में भागीदार बने।

आपके राज्य, प्रदेश, जिला, एरिया से अगर कोई भी प्रत्याशी राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहता है तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करे।

या कोई भी पत्रकार बंधू राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी से जुड़ना चाहता है तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करे।

आपका सहयोग ही देश की उन्नति का मार्ग है।

नोट : भ्रष्टाचारी, अपराधी व बलात्कारी संपर्क करने की कोशिश न करे।

चुनाव चिन्ह ईंट
रामानुज सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष)
राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी

कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी ने की कैम्पबेल बे बंदरगाह की पहली यात्रा, समुद्री सुरक्षा होगी मजबूत

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय नौसेना की कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी ने निकोबार द्वीप समूह में भारत के सबसे दक्षिणी कैंपबेल बे बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा के साथ इतिहास रच दिया है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह भारतीय नौसेना की ताकत को बढ़ाता है।

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी ने निकोबार द्वीप समूह में भारत के सबसे दक्षिणी कैंपबेल बे बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा के साथ इतिहास रच दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। यह कदम भारतीय नौसेना की पहुंच को बढ़ाता है। जानकारी देते हुए अधिकारी ने कहा कि कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी ने भारत के सबसे दक्षिणी कैंपबेल बे बंदरगाह की अपनी शुरुआती यात्रा सफलतापूर्वक की है।

कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी ने की पहली यात्रा

उन्होंने कहा कि मुख्य भूमि से बहुत दूर इस रणनीतिक बंदरगाह पर इस वर्ग की पनडुब्बी की यह पहली यात्रा है, जो भारतीय नौसेना की पहुंच को बढ़ाती है। जिससे हमारे हित के क्षेत्रों और उससे आगे तेजी से स्टील्थ पनडुब्बियों को तैनात करने में महत्वपूर्ण पहुंच और परिचालन की अनुमति मिलती है। कलवरी प्रोजेक्ट 75 के तहत निर्मित छह स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों में से एक है। जिसमें कलवरी, खंडेरी, करंज, वेला, वागीर जैसी पनडुब्बियां शामिल हैं।

प्रोजेक्ट 75 क्या है ?

आईके गुजराल सरकार ने 25 पनडुब्बियों के अधिग्रहण का फैसला किया था। पी 75 पनडुब्बियों के निर्माण के लिए 30 साल की योजना बनाई गई थी। 2005 में, भारत और फ्रांस ने छह स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों के निर्माण के लिए 3.75 बिलियन डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। भारत में मझगांव डॉक्स शिपबिल्डर्स लिमिटेड और फ्रांस में डीसीएनएस इसका काम देखती है।

हिमाचल कल्याण सभा अमृतसर की कार्यकारिणी की बैठक सभा प्रधान श्री शक्ति पाल सिधर जी की अध्यक्षता में दिनांक 24 .03 .2024 को सीमांचल भवन दशमेश एवन्यू जी रोड अमृतसर में संपन्न हुई

अमृतसर (साहिल बेरी)

इस अवसर पर सभा के संरक्षक चेयरमैन श्री राकेश कुमार शर्मा आये हुए सभी सदस्यों का स्वागत किया व पिछली बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट पढ़ कर सुनाई व इसे सभा में पास करवाया तत्पश्चात सभा की कार्यवाही विधिवत शुरू हुई इस अवसर पर सभा द्वारा किये जा रहे लोक कल्याण के कार्यों की समीक्षा की गई राकेश शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि सभा के संस्थापकों द्वारा शुरू कि गई सभा आज ऊंचाइयों को छू रही है होम्योपैथी डिस्पेंसरी के साथ सिलाई सेंटर ने भी अमृतसर में अपनी विशेष पहचान बनाई है जिसमे गरीब लड़कियों को फ्री सिलाई सीखने के साथ साथ मशीने भी उपहार रूप सभा कि ओर से गाठ वर्षों से दी जा रही हैं और इसमें सभा प्रधान श्री शक्तिपाल सिधर का योगदान अतुलनीय है उन्होंने भवन में एक आयुर्वेदिक औषधालय व गरीब बच्चों के लिए सकूल खोलने का सुझाव रखा डाक्टर मदन सिंह पठानियां जी ने कहा कि वह अप्रैल कि शुरुआत में सभा के आडिटर से आडिट करवा लेंगे सभा प्रधान श्री शक्तिपाल सिधर जी ने कहा कि स्कूल व औषधालय का निर्माण विचाराधीन है व इसे जल्द ही कार्यान्वित किया जायेगा उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था बिना समाज के सहयोग के नहीं चल सकती उन्होंने अपनी पूरी टीम सहयोग के लिए आभार प्रकट किया इस अवसर पर सभा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए सभा प्रधान श्री शक्तिपाल जी ने कहा कि सभा कि वार्षिक बैठक 28 अप्रैल रविवार हैको रखी जाएगी जिसमे सभा के आय व्यय का व्योरा व इसकी गतिविधियों कि जानकारी सबके समक्ष दी जाएगी इस अवसर पर सभा के काफी संख्या में सदस्य माजूद थे जिनमे श्री सुदर्शन कपूर , श्री अवतार सिंह पठानिआ, दलजीत सिंह, डाक्टर जे पी लूथरा , डाक्टर ईश्वर दास शर्मा, वासुदेव शर्मा , धर्मवीर शर्मा , विनोद शर्मा , राजेन्द्र ठाकुर , शिव कुमार शर्मा , बीरबल शर्मा , डाक्टर डी पी निराला, राजेश डोगरा, डाक्टर संजीव शर्मा , डाक्टर राजेश शर्मा, कुलतार राणा, वरुण शर्मा , यशपाल , श्री नरेश चौहान ब अन्य गणमान्य मौजूद थे

शाँति मार्च डीओए, सीएनआई ने पाम संडे पर शाँति मार्च निकाला

परिवहन विशेष न्यूज

अमृतसर, (साहिल बेरी) विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं, संघर्षों और हिंसा की घटनाओं से प्रभावित दुनिया में शाँति और आशा फैलाने के उद्देश्य से, डायोसिस ऑफ़ अमृतसर (डीओए), चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएनआई) ने 'शाँति मार्च' आयोजित किया। पाम संडे के अवसर पर, प्रतिवर्ष 'शाँति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में अमृतसर में ईसाई समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ डायोसिस के जर्मन पार्टनर्ज़ की व्यापक भागीदारी देखी गई ।परंपरा के अनुसार, ईसाई अपने हाथों में खजूर की डालियाँ, और खजूर के पत्तों से बने क्रॉस लेकर पाम संडे का जुलूस निकालते हैं। विश्व शाँति के लिए प्रार्थना करने के लिए हर साल पाम संडे को 'शाँति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। विजय का प्रतीक, ताड़ की शाखाएं, और ताड़ के पत्तों से बना क्रॉस, और 'होसन्ना !' धन्य है वह, जो प्रभु के नाम पर आता है !' चिल्लाते हुए अमृतसर के ईसाइयों ने शाँति और एकता का संदेश फैलाने के लिए शहर के विभिन्न मार्गों से मार्च निकाला ।सेंट पॉल चर्च, अमृतसर के मैदान में एक संयुक्त प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें पाम संडे जुलूस, जो सेंट पॉल चर्च से ही शुरू हुआ था, से पहले अमृतसर में ईसाई विश्वासियों की उत्साही भागीदारी देखी गई ।अमृतसर, अजनाला , बटाला, खेम करण, तरनतारन, अटारी और भिंडी सैदां में डीओए , सीएनआई के अधीन चर्चों में शाँति मार्च से पहले विशेष प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गईं , जिसके बाद इन चर्चों के सदस्यों ने इन क्षेत्रों के संयोजकों नेतृत्व में छोटे-छोटे जुलूस निकाले, जो बाद में सेंट पॉल चर्च, कोर्ट रोड से शुरू हुए मुख्य जुलूस में मिल गए ।मोस्ट रेव डॉ पीके सामंताराय, बिशप, डीओए, सीएनआई, ने कहा कि खजूरी रविवार गुड फ्राईडे पर उनके क्रूस पर चढ़ने से पहले प्रभु यीशु मसीह के यरूशलेम में विजयी प्रवेश की याद में मनाया जाता है ।प्रभु यीशु मसीह उन सभी के पापों की क्षमा के लिए क्रूस पर मरे, जो उन पर विश्वास करते हैं। परम प्रधान ईश्वर ने उन सभी को अनंत जीवन का वादा किया है, जो यीशु मसीह को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं। पाम संडे हमें प्रभु के करीब आने और उनकी इच्छा को पूरा करने की शिक्षा देता है, जैसे प्रभु यीशु मसीह ने हमारे पापों की क्षमा के लिए क्रूस पर मरकर और मानवता के लिए शाश्वत जीवन के द्वार खोलकर किया था "बिशप सामंताराय ने कहा ।'शाँति मार्च' के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए, बिशप ने कहा कि पाम संडे के पारंपरिक स्मरणोत्सव के अलावा, मार्च का आयोजन पीड़ित मानवता को यह आश्वस्त करने के लिए किया गया था कि वे अपने संघर्षों में अकेले नहीं हैं और कोई न कोई उनके लिए प्रतिदिन प्रार्थना करता है ।डैनियल बी दास, निदेशक, सोश्यो इकोनॉमिक डेवेलपमेंट प्रोग्राम (एसईडीपी) और संपत्ति प्रबंधक, डीओए, सीएनआई, ने कहा कि डायोसिस पहले से ही अपने सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम के तहत चलाई जा रही कल्याणकारी पहलों के माध्यम से शाँति का प्रचार करने के लिए अपना काम कर रही है। " 'शाँति का राजकुमार' कहे जाने वाले प्रभु यीशु मसीह शाँति स्थापित करने के लिए इस दुनिया में आए, वह शाँति जो उनके द्वारा दिखाए गए धार्मिकता के मार्ग पर चलने से मिलती है। शाँति का उद्देश्य विभिन्न चुनौतियों और विवादों के बावजूद न्याय सुनिश्चित करना है," उन्होंने कहा।

उद्योगपति पल्लवी डेम्पो को टिकट; भाजपा ने गोवा में पहली बार महिला प्रत्याशी पर लगाया दांव

दक्षिण गोवा सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में कांग्रेस नेता फ्रांसिस्को सरदिन्हा कर रहे हैं। 1962 के बाद से बीजेपी ने इस सीट पर केवल दो बार जीत हासिल की है।

नई दिल्ली। डेम्पो इंडस्ट्रीज की कार्यकारी निदेशक पल्लवी डेम्पो गोवा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही हैं। वह चुनावी इतिहास में पहली महिला उम्मीदवार हैं जो पार्टी के टिकट पर मैदान में उतरी हैं। भाजपा ने रविवार को आम चुनावों के लिए 111 उम्मीदवारों की अपनी नवीनतम सूची में दक्षिण गोवा से डेम्पो को उम्मीदवार घोषित किया। गोवा की उद्यमी और शिक्षाविद्, पल्लवी के पास एमआईटी, पुणे से रसायन विज्ञान में स्नातक की डिग्री और व्यवसाय प्रबंधन (एमबीए) में स्नातकोत्तर की डिग्री है। वह अपने कार्यकारी निदेशक के रूप में डेम्पो इंडस्ट्रीज की मीडिया और रियल एस्टेट शाखा की देखरेख करती हैं।

बता दें कि दक्षिण गोवा सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में कांग्रेस नेता फ्रांसिस्को सरदिन्हा कर रहे हैं। 1962 के बाद से बीजेपी ने इस सीट पर केवल दो बार जीत हासिल की है।

भारत को क्यों नहीं मिल पा रही यूएन सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट, कौन सी चीज आ रही है आड़े

परिवहन विशेष न्यूज

साल 1914 में पहला विश्व युद्ध शुरू हुआ था. जो कि साल 1918 में खत्म हुआ. दुनिया में युद्ध में काफी तबाही देखी इसलिए आगे युद्ध ना हो इसके लिए साल 1929 में राष्ट्र संघ नाम का एक संगठन बनाया गया. लेकिन यह संगठन किसी काम नहीं आया और 1939 में दूसरा वर्ल्ड वॉर शुरू हो गया. जो 1945 तक चला. इसके बाद गठन हुआ संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूनाइटेड नेशंस. यह संगठन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति आर्थिक विकास मानव अधिकार और सामाजिक प्रगति के लिए बनाया गया. यूनाइटेड नेशंस में 193 देश है. वहीं यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल में पांच स्थाई सदस्य हैं. भारत एक लंबे समय से सिक्योरिटी काउंसिल का स्थाई सदस्य बनने के लिए प्रयास कर रहा है. लेकिन सफलता मिल नहीं पा रही है. आखिर इसके पीछे क्या कारण है चलिए जानते हैं.

क्या है यूएन सुरक्षा परिषद ?

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र का सबसे अहम हिस्सा कहा जाता है. इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति सुरक्षा कायम रखने का जिम्मा है. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद किसी देश पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा सकता है.किसी देश पर सैन्य कार्रवाई कर सकता है. यूएन सुरक्षा परिषद अगर कोई प्रस्ताव जारी करता है तो उसे संयुक्त राष्ट्र के बाकी देशों को मनाना होता है. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी में कुल 15 सदस्य देश हैं. जिनमें 5 स्थाई देश हैं. तो वहीं 10 अस्थाई तौर पर शामिल होते रहते हैं.

यूएन सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य

जब संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ था. तभी इसके सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्य बना दिए गए थे. जिसमें रूस संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और चीन शामिल है. यह पांचो देश वह देश है जो सेकंड वर्ल्ड वॉर में एक साथ लड़े थे और जीते थे. इन सभी देशों के पास वीटो पावर होती है. जिसके तहत संयुक्त राष्ट्र के किसी भी फैसले को यह रोक सकते हैं.

भारत को क्यों जगह नहीं मिल रही ?

दरअसल भारत को यूएन सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाने की मांग काफी समय से की जा रही है. कई मौकों पर दूसरे देशों ने भी इस बात का समर्थन किया है. लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य चीन भारत की राह में रोड़ा बन रहा है. चीन के पास वीटो पावर है. जब भी भारत को स्थाई सदस्य बनाने की मांग उठती है चीन उसे मांग को रोक देता है. इसको लेकर कई लोगों के और भी तर्क है. उनका कहना है कि कि भारत ने अभी भी नॉन प्रॉलिफरेशन ट्रीटी यानी परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और साथ ही व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि यानी सीटीबीटी पर साइन करने से मना कर दिया है. यह भी एक वजह है. वहीं कुछ लोगों का मानना है कि भारत ही नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सीट लेने के लिए कई और देश भी लाइन में लगे हुए हैं. जिनमें ब्राजील, जापान और जर्मनी शामिल हैं. इसलिए अब तक यह तय नहीं हो पाया है कि भारत को जगह देनी है या नहीं.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023